पोल्ट्रीफार्म में सगे भाइयों की मौत 2

5000 वारंटी गिरफ्तार, 80 लाख से ज्यादा कैश बरामद 3

भाजपा: वैचारिक विश्व में एक चमकता नक्षत्र 4

पहली खबर, सबपे नजर

अमृतवर्षा

पटना
वर्ष - 38
अंक - 81
रविवार, 07 अप्रैल 2024
रजि. नं. पी टी. - 405
पेज - 08
मूल्य - 2.00

website:- www.amritvarshanews.in/e-mail:- amritvarshanews2015@gmail.com

पटना, धनबाद व नई दिल्ली से प्रकाशित

न्यूज फ्लैश

पनूर बम विस्फोट के मामले में चार गिरफ्तार

कन्नूर। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले केरल से बड़ा मामला सामने आया है। यहां कन्नूर जिले के पनूर में बम विस्फोट हुआ। इस मामले में पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है। बता दें कि इस ब्लास्ट में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी जबकि तीन अन्य लोग घायल हो गए थे। उधर माकपा ने उस दावे का खंडन किया है जिसमें कहा गया था कि ब्लास्ट में शामिल सभी लोग वाम दल के थे। माकपा के राज्य महासचिव एमवी गोविंदन का कहना है कि इस बम धमाके में शामिल लोगों से पार्टी का कोई लेना देना नहीं है। दरअसल इससे पहले कांग्रेस और भाजपा ने बम धमाके का दोष वाम दल पर मढ़ा था। कांग्रेस का आरोप है कि यह धमाका उस समय हुआ, जब मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के कार्यकर्ता देसी बम बना रहे थे। अधर भाजपा ने भी वाम दल पर बम के जरिए दहशत फैलाने का आरोप लगाया है। एमवी गोविंदन का कहना है कि कांग्रेस और भाजपा द्वारा पार्टी पर गलत आरोप लगाया जा रहा है। इससे पहले केरल की वटकारा लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रहे कांग्रेस प्रत्याशी शफी परम्बिल और आरएसपी प्रत्याशी केके रेमा ने विस्फोट की घटना के विरोध में शांति मार्च निकाला। दोनों ने आरोप लगाया है कि माकपा कार्यकताओं ने पार्टी के निर्देश पर बम बनाया।

तटरक्षक बल ने समुद्र में नौका में आग लगने से झुलसे नौ मछुआरों को बचाया

नयी दिल्ली। भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) ने समुद्र मेंमछली पकड़ने वाली एक नौका पर आग लगने की घटना और उसके परिणामस्वरूप हुए विस्फोट के बाद गंभीर रूप से झुलसे नौ मछुआरों को समय रहते सहायता प्रदान की। आईसीजी ने एक बयान में कहा कि पांच अप्रैल को मछुआरों की नौका आग लगने के बाद समुद्र में डूब गई थी। बयान में कहा गया है कि सभी नौ मछुआरे बचने के लिए पानी में कूद गए लेकिन इस दौरान कुछ गंभीर रूप से झुलस गए। विस्फोट के कारण क्षतिग्रस्त हुई भारतीय नौका दुर्गा भवानी कुछ ही मिनट में डूब गई। बयान के अनुसार पास में मौजूद एक नाव ने आग और विस्फोट के बारे में तटरक्षक जहाज को जानकारी दी, जो जीवित बचे लोगों को लेने के लिए आगे बढ़ा।

महिला को निर्वस्त्र कर सड़क पर घुमाया, तीन गिरफ्तार

तरनतारन। वल्टोहा निवासी 55 वर्षीय महिला पर कथित तौर पर उसकी बहू के माता-पिता ने हमला किया और उसे गांव में नग्न घुमाया। पीड़ित के बेटे ने पिछले महीने लड़की से शादी की थी। यह घटना 31 मार्च को हुई और पुलिस ने 3 अप्रैल को आईपीसी की धारा 354, 354-बी, 354-डी, 323 और 149 के तहत मामला दर्ज किया। वल्टोहा की रलृड सुनीता बावा ने मीडिया से कहा कि मामले में आरोपियों की पहचान कुलविंदर कौर मणि, उनके बेटों - शरणजीत सिंह शन्नी और गुरचरण सिंह के अलावा दो अज्ञात व्यक्तियों के रूप में की गई है। मामले में पुलिस ने एक अधेड़ उम्र की महिला समेत परिवार के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है।

तैयारी करके बैठा हूं; दस साल में भ्रष्टाचारियों पर जो कार्रवाई हुई वह ट्रेलर है, मोदी बोले

तीसरे कार्यकाल के 100 दिन में बड़े फैसले लूंगा

अजमेर, एजेंसी

लोकसभा चुनाव के सियासी मैदान में भाजपा की कमान थामे पीएम नरेंद्र मोदी ताबड़तोड़ रैलियां करते हुए लगातार कांग्रेस और गठबंधन दलों पर निशाना साध रहे हैं। राजस्थान में पीएम मोदी ने तीसरी रैली को पुष्कर में संबोधित करते हुए कांग्रेस के घोषणा पत्र को झूठ का पुलिंदा बताया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के घोषणा पत्र में वही सोच झलकती है जो आजादी के समय मुस्लिम लीग की थी।

मुस्लिम लीग के विचारों को थोपना चाहती है कांग्रेस: पीएम नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस के घोषणा पत्र को लेकर कहा कि इस घोषणा पत्र के जरिए कांग्रेस मुस्लिम लीग के उन विचारों को आज भारत पर थोपना चाहती है। उन्होंने कहा कि झूठ का पुलिंदा कांग्रेस की एक बहुत बड़ी सच्चाई को बेनकाब करने वाला ये घोषणा पत्र है। इसके हर पन्ने पर भारत के टुकड़े करने की 'बू' आ रही है। पीएम मोदी ने कहा कि मुस्लिम लीग की छाप वाले इस घोषणा पत्र में जो बचा कुचा हिस्सा था, उसमें वामपंथी हावी हो गए हैं। आज की कांग्रेस के पास न सिद्धांत बचे हैं और न ही नीतियां बची हैं। ऐसा लग रहा है कांग्रेस सबकुछ ठेके पर दे चुकी है, सबकुछ आउटसोर्स कर चुकी है। पीएम मोदी ने तंज कसते हुए कहा कि क्या ऐसी कांग्रेस देश हित में कोई काम कर सकती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस घोषणा पत्र में पिछली शताब्दी में देश को धकेलने का एजेंडा लेकर आई है। गरीब और वंचित वर्ग की तरह ही नारी शक्ति की परवाह नहीं की।

घमंडिया गठबंधन मोदी से परेशान है: पीएम नरेंद्र मोदी ने भ्रष्टाचार को लेकर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस की सरकार थी तो जो पैसा भेजा जाता, उसे बीच में ही लूट लेते थे। जांच में पता चला कि कांग्रेस ने 10 करोड़ से ज्यादा फर्जी लाभार्थी बनवाकर रखे थे, जो कभी पैदा नहीं हुए। ये पैसा कांग्रेस के बिचौलिए के पास जाता था। पीएम ने कहा कि 'मैंने जांच एजेंसियों को खुली छूट दी है'। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के एक सांसद के यहां से 300 करोड़ रुपए नकद पकड़े गए। मोदी ने कहा कि कांग्रेस के घमंडियां गठबंधन मोदी से परेशान है। इसलिए चिढ़ता है गाली देता है, लेकिन ये जितना कीचड़ उछालेंगे, कमल उतना ही ज्यादा खिलने वाला है। उन्होंने कहा कि 'मैं कहता हूं भ्रष्टाचार हटाओ, वो कहते हैं भ्रष्टाचारी बचाओ, ये कितना भी बोलते रहे भ्रष्टाचार के खिलाफ मोदी की लड़ाई जारी रहेगी। आपका आशीर्वाद है तो मैं लड़ता रहूंगा।

भ्रष्टाचार पर और कड़े फैसले: रैली में पीएम नरेंद्र मोदी ने दावा करते हुए कहा कि मेरी सरकार का तीसरा कार्यकाल बहोत दूर नहीं है। पहले 100 दिन में भ्रष्टाचार के खिलाफ और भी कड़े फैसले लेने जा रही है। पिछले 10 साल में जो कार्रवाई हुई है, वो ट्रेलर है। अभी बहुत बड़ा होने वाला है।

नामदार इस कामदार को गाली देते हैं: रैली को संबोधित करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि ये जो बड़े-बड़े नामदार हैं वो इस कामदार को गाली देते हैं। ये कामदार ऐसा है जो हर गाली को पचा जाता है। उन्होंने कहा कि ये मोदी से इसलिए नाराज हैं, क्योंकि मोदी आज देश की जनता के साथ चट्टान की तरह खड़ा है। मोदी ने इनकी लूट की दुकान का शटर गिरा दिया है, इसलिए ये बौखलाए हुए हैं।

सरकार की योजनाओं का किया बखान: पीएम मोदी जनसभा के दौरान केंद्र सरकार की योजनाओं का बखान किया। उन्होंने सभा के दौरान देश में बने शौचालय, पीएम आवास योजना, जनधन खाता समेत कई योजनाओं के जरिए मिले लाभों के बारे में बताया।

क्षेत्र से कमल का संबंध: मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि पुष्कर क्षेत्र का संबंध कमल से है। बीजेपी देश के कोने-कोने में कमल खिलाने जा रही है। उन्होंने कहा कि जनता का फैसला वर्षों के भविष्य को तय करता है। देश में कितने बरस तक जोड़-तोड़ की सरकार चली। जोड़-तोड़ की सरकार में स्वार्थ, मजबूरियां होती हैं और इसके चक्कर में देश पीछे छूट जाता है। इसमें घोटालों और आतंक की भी खबरें आती हैं। देश की जनता ने 2014 में बीजेपी की पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई तो समंदर पर बड़े पुल बन रहे हैं। पहाड़ों पर सुरंग बनाकर सीमा की सुरक्षा बढ़ाई जा रही है। वंदे भारत ट्रेन की गति को देखकर विदेशी भी हैरान हैं।

पाक में घुसकर मारेंगे, आतंकी जहां भी चले जाएं बचेंगे नहीं: राजनाथ

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आतंकवादी भारत में शांति भंग करने की कोशिश करेंगे या आतंकी गतिविधियों को अंजाम देंगे तो उन्हें मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। अगर वे पाकिस्तान भाग गए तो भारत उन्हें पड़ोसी देश में घुसकर मार गिराएगा। ये बात रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सीमा पार आतंकवाद से निपटने के लिए अपनी सरकार के स्पष्ट एजेंडे को दिखाते हुए कही है। रक्षा मंत्री ब्रिटिश अखबार 'द गार्जियन' की रिपोर्ट पर एक सवाल का जवाब दे रहे थे, जिसमें दावा किया गया था कि भारतीय खुफिया एजेंसियों ने 2019 के बाद राष्ट्रीय सुरक्षा के एक अभियान के तहत पाकिस्तान में आतंकवादियों की हत्याएं कीं। राजनाथ सिंह ने कहा कि अगर पड़ोसी देश के आतंकवादी भारत में शांति भंग करने की कोशिश करेंगे या भारत में आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने की कोशिश करेंगे, तो हम उन्हें मुंहतोड़ जवाब देंगे। एक टीवी चैनल को दिए साक्षात्कार में

उन्होंने कहा कि अगर वे पाकिस्तान भाग जाते हैं, तो हम उन्हें मारने के लिए पाकिस्तान में घुसेंगे। रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत के पास सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की ताकत है और पाकिस्तान को इसका एहसास होने लगा है। रक्षा मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया टिप्पणियों का समर्थन किया कि भारत मूकदर्शक नहीं रहेगा। राजनाथ सिंह ने कहा, प्रधानमंत्री ने जो भी कहा है वह बिल्कुल सच है और भारत के पास वह ताकत है और पाकिस्तान को भी इसका एहसास होने लगा है। साथ ही रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत हमेशा अपने पड़ोसियों के साथ अच्छे संबंध बनाए रखना चाहता है। जो भी हो, वे हमारे पड़ोसी देश हैं।

के. कविता ने न्यायिक हिरासत में पूछताछ की अनुमति देने के आदेश को दी चुनौती

नई दिल्ली। बीआरएस नेता के कविता ने राऊज एवेन्यू कोर्ट में याचिका दायर कर सीबीआई को न्यायिक हिरासत में पूछताछ करने की अनुमति दिए जाने के आदेश को चुनौती दी है. के कविता की याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने सीबीआई को नोटिस जारी किया है। मामले की अगली सुनवाई 10 अप्रैल को होगी। कविता के वकील नीतेश राणा ने कहा कि सीबीआई ने कविता को अपनी अर्जी के बारे में सूचना नहीं दी और उनके पक्ष सुने बिना ही कोर्ट ने पूछताछ का आदेश दे दिया। बता दें कि 5 अप्रैल को कोर्ट ने सीबीआई को के। कविता से न्यायिक हिरासत में पूछताछ की अनुमति दे दी थी। कविता फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। कोर्ट ने 26 मार्च को के। कविता को 9 अप्रैल तक की न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। पेशी के दौरान के कविता ने कहा था कि, यह मनी लॉन्ड्रिग का मामला नहीं बल्कि राजनीतिक लॉन्ड्रिग का मामला है। यह एक मनगढ़ंत और झूठा मामला है। हम बेदाग, बेकसूर साबित होंगे। कविता ने कहा था कि, एक आरोपी ने बीजेपी ज्वाइन कर लिया। दूसरे आरोपी को बीजेपी से टिकट मिला है।

शिक्षा विभाग ने रद्द की शिक्षकों की ईद की छुट्टी

पटना, अमृतवर्षा ब्यूरो। बिहार में वर्तमान स्थिति में अगर किसी प्रशासनिक अधिकारी की सबसे अधिक चर्चा हो रही है तो वह है शिक्षा विभाग के मुख्य सचिव केके पाठक। पाठक आए दिन शिक्षा विभाग में शिक्षकों तथा अन्य पदाधिकारी के लिए फरमान जारी करते रहते हैं जिनको लेकर बिहार की राजनीति में सियासी घमासान मचा हुआ रहता है। इसी कड़ी में शनिवार को शिक्षा विभाग के मुख्य सचिव के-के पाठक ने सरकारी विद्यालयों में ईद की छुट्टी रद्द करने को लेकर आदेश जारी कर दिया। शिक्षा विभाग के आदेश के मुताबिक यह कहा गया है

केके पाठक ने रद्द की छुट्टी

कि इस बार फिर शिक्षकों के लिए 8 से 13 अप्रैल तक प्रशिक्षण कार्यक्रम रखा गया है। जबकि 11 अप्रैल को ईद मनाई जाएगी। वही पिछली बार शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए पांच दिन का प्रशिक्षण निश्चित किया गया था। जिसमें होली की छुट्टी भी रद्द कर दी गयी थी। ईद में भी शिक्षकों को विभागीय ट्रेनिंग से मुक्त नहीं किया गया है।

अब होली की तरह ईद में भी ट्रेनिंग: 11 अप्रैल 2024 को ईद है। यह हर किसी को मालूम है। फिर भी विभाग इसे नजरअंदाज कर ईद के दौरान ही ट्रेनिंग का शेड्यूल बना दिया है। इसके खिलाफ कई शिक्षकों ने आपत्ति भी व्यक्त की है। हालांकि आपत्ति सिर्फ सोशल मीडिया तक ही सीमित है। बताया गया है कि विभाग के स्तर से प्रशिक्षण की अवधि 8 अप्रैल से 13 अप्रैल तक निर्धारित की गई है। इसी अवधि में यानी 11 अप्रैल को ईद है। छह दिवसीय इस प्रशिक्षण में कक्षा एक से पांच तक के शिक्षक शामिल होंगे। इन शिक्षकों को सात अप्रैल की शाम तक ट्रेनिंग सेंटरों में योगदान करने का आदेश दिया गया है। प्रशिक्षण के लिए 8 अप्रैल को अपराह्न पांच बजे से रजिस्ट्रेशन शुरू हो जाएगा।

जेपी नड्डा समेत छह नवनिर्वाचित राज्यसभा सांसदों ने ली शपथ

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और राज्यसभा के पांच अन्य नवनिर्वाचित सदस्यों ने शनिवार को शपथ ली। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने सभी को शपथ दिलाई। शपथ लेने वाले अन्य सदस्यों में गुजरात से जेपी नड्डा, महाराष्ट्र से अशोकराव शंकरराव चव्हाण, राजस्थान से चुन्नीलाल गरासिया, तेलंगाना से अनिल कुमार यादव मंडाडी, पश्चिम बंगाल से सुष्मिता देव और मोहम्मद नदीमुल हक शामिल हैं। भारत के उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने राज्यसभा के नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाई। उप राष्ट्रपति कार्यालय द्वारा एक्स पर शपथ ग्रहण समारोह की तस्वीरें साझा की गई हैं। जेपी नड्डा ने हिमाचल प्रदेश से राज्यसभा के सदस्य के तौर पर इस्तीफा दे दिया था। वह गुजरात से राज्यसभा के सांसद बने रहेंगे। बता दें कि राज्यसभा चुनाव में जेपी नड्डा ने गुजरात से निर्विरोध चुने गए थे। जेपी नड्डा उन 57 राज्यसभा सांसदों में एक हैं जिनका कार्यकाल अप्रैल महीने में समाप्त हो गया था।

पार्टियों के नहीं, बल्कि संविधान के प्रति रहें वफादार: चंद्रचूड़

नागपुर, एजेंसी। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा है कि वकीलों को अदालत और भारतीय संविधान को अपने राजनीतिक झुकाव और विश्वास से ऊपर रखना चाहिए। नागपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए, सीजेआई चंद्रचूड़ ने एक चिंता जताते हुए भी कहा कि वे लंबित मामलों और अदालती फैसलों पर वकीलों द्वारा टिप्पणी करने की प्रवृत्ति से बहुत परेशान हैं। सीजेआई नागपुर उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन के शताब्दी वर्ष समारोह को संबोधित कर रहे थे। सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा, हमारे जैसे जीवंत और तर्कशील लोकतंत्र में, अधिकांश व्यक्तियों की एक राजनीतिक विचारधारा और झुकाव होता है। अरस्तू के शब्दों में, मनुष्य

राजनीतिक प्राणी हैं। वकील कोई अपवाद नहीं हैं। हालांकि, बार के सदस्यों के लिए, किसी की सर्वोच्च निष्ठा पक्षपातपूर्ण हित के साथ नहीं बल्कि अदालत और संविधान के साथ होनी चाहिए। कई मायनों में, एक स्वतंत्र बार कानून के शासन और संवैधानिक शासन की रक्षा के लिए नैतिक कवच है। उन्होंने कहा कि बार के सदस्य अदालत के पहले और सबसे महत्वपूर्ण अधिकारी हैं जिनके हाथों में कानूनी चर्चा की गरिमा और सच्चाई है। उन्होंने कहा, "इस अर्थ में, बार में अदालत और नागरिकों के बीच एक पुल के रूप में काम करने की क्षमता है। अपनी भूमिका को पूरा करने में, बार जटिल कानूनी अवधारणाओं और उदाहरणों को प्रभावी ढंग से जनता के लिए सुलभ भाषा में अनुवाद कर सकता है, जिससे हमारे संवैधानिक मूल्यों और हमारे निर्णयों के वास्तविक उद्देश्य की गहरी समझ को बढ़ावा मिलता है। भारत के मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने कहा कि आगे न्यायपालिका के कंधे चौड़े हैं और वह प्रशंसा के साथ ही आलोचना भी स्वीकार कर सकती है लेकिन लंबित मुकदमों या फैसलों पर वकीलों की टिप्पणी बहुत चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि बार के पदाधिकारियों और सदस्यों को न्यायिक निर्णयों पर प्रतिक्रिया देते वक्त यह नहीं भूलना चाहिए कि वे अदालत के अधिकारी हैं, आम आदमी नहीं।

शराब नीतिः मनीष सिसोदिया को नहीं मिली राहत

न्यायिक हिरासत 18 अप्रैल तक बढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय ने दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की दूसरी जमानत याचिका का विरोध करते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं। ईडी ने ट्रायल कोर्ट में सिसोदिया की जमानत याचिका का विरोध करते हुए कहा है कि मनीष सिसोदिया ही उस शराब नीति को बनाने के लिए जिम्मेदार थे जिससे घोटाले को अंजाम दिया गया। ईडी के विशेष वकील जोहेब हुसैन ने बताया कि मुकदमे में देरी जिसे आरोपी के वकील जमानत की मांग करते हुए एक कारण बता रहे हैं वो भी आरोपी की वजह से ही हो रही है ना की अभियोजन पक्ष की ओर से। सिसोदिया की तरफ से लगातार जमानत की मांग करना मुकदमे में देरी की वजह है। उनकी तरफ से करीब 90 से ज्यादा आवेदन दायर किए गए हैं। ईडी के वकील ने कहा कि शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले मनीष सिसोदिया के बिना संभव ही

नहीं था। ईडी के आरोपों के मुताबिक पुरानी शराब नीति में जो कमिशन फीस 5 फीसदी थी उसे नई शराब नीति में बढ़ाकर 12 फीसदी कर दिया गया था जिसकी वजह से होलसेल डिस्ट्रीब्यूटर्स ने 581 करोड़ रुपये की निश्चित फीस अर्जित की। नई शारब नीति की वजह से होलसेल डिस्ट्रीब्यूटर्स ने 338 करोड़ रुपए ज्यादा मुनाफा कमाया था और इसी के आधार पर सुप्रीम कोर्ट ने अक्टूबर में सिसोदिया को जमानत देने से इनकार कर दिया था। शनिवार को सिसोदिया की जमानत याचिका का विरोध करते हुए ईडी ने एक बार फिर इस बात पर जोर दिया ती 338 करोड़ रुपये अपराध की कमाई है। हुसैन ने यह भी तर्क दिया कि सबूत नष्ट कर दिए गए हैं। ईडी ने कहा, "विजय नायर सिसोदिया के निदेर्शों के तहत और पूरे विश्वास के साथ काम कर रहा था।" बता दें, इससे पहले ईडी ने ये भी कहा था कि विजय नायर साउथ ग्रुप और आम आदमी पार्टी के बीच शराब नीति को लेकर हो रही डील में बिचौलिए की भूमिका निभा रहा था। उधर कोर्ट ने मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 18 अप्रैल तक बढ़ा दी है। मनीष सिसोदिया को सबसे पहले पिछले साल पहले 26 फरवरी को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने और बाद में नौ मार्च को ईडी ने गिरफ्तार किया था। ट्रायल कोर्ट, दिल्ली उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय ने दोनों मामलों में उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट के जमानत से इनकार के खिलाफ सिसोदिया की समीक्षा याचिका भी खारिज कर दी थी। उनकी क्यूरेटिव याचिकाएं भी खारिज हो चुकी हैं।

राहुल ने चुनावी बॉन्ड को बताया सबसे बड़ा घोटाला, बोले

सत्ता में आए तो निभाएंगे वादा

हैदराबाद, एजेंसी। भाजपा नीत केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को आरोप लगाया कि चुनावी बांड योजना 'दुनिया का सबसे बड़ा घोटाला' है। राहुल ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनाव आयोग में 'अपने लोगों' को धोखा दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने फरवरी में एक फैसले में चुनावी बांड योजना को असंवैधानिक करार दिया था। तुक्कुगुडा जनजतारा सभा के मंच पर एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने यह भी आरोप लगाया कि भारत में हर दिन लगभग 30 किसान आत्महत्या कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि मोदी ने अमीरों का 16 लाख करोड़ रुपये का कर्ज माफ कर दिया है,

जबकि किसानों का एक रुपया भी कर्ज माफ नहीं किया गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मोदी सरकार के सत्ता संभालने के बाद देश में करोड़ों लोग गरीब हो गए। कांग्रेस के घोषणापत्र में उल्लिखित पांच 'न्याय' (न्याय) पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि अगर वे केंद्र में सत्ता में आए तो 'किसान न्याय' के माध्यम से कृषि ऋण माफ कर दिए जाएंगे और एमएसपी के लिए कानूनी गारंटी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि उनका घोषणापत्र भारतीयों की आवाज को दर्शाता है। राहुल गांधी ने यह भी कहा कि कांग्रेस तेलंगाना के लोगों से की गई अपनी चुनावी गारंटी को पूरा कर रही है, उसी तरह राष्ट्रीय स्तर पर भी वादे लागू किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पहले ही 30,000 सरकारी नौकरियां भर चुकी है और जल्द ही 50,000 और भर्तियां करेगी। राहुल गांधी कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि हमारी गारंटी का दस्तावेज देश की जनता के दिल से पैदा हुआ है। राहुल ने पांच गारंटी का खुलासा किया और कहा कि वह किसानों, युवाओं और महिलाओं समेत सभी के साथ खड़े रहेंगे। उन्होंने आश्वासन दिया कि देश में किसी भी परिवार की वार्षिक आय एक लाख रुपये से कम नहीं होगी। राहुल गांधी ने वादा किया कि अगर वे केंद्र में सत्ता में आए तो पूरे देश में अपना वादा निभाएंगे। उन्होंने कहा कि शिक्षित युवाओं को एक साल के प्रशिक्षण के साथ 8,500 रुपये प्रति माह दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि 'महिला न्याय' के माध्यम से गरीब महिलाओं के लिए हर साल 1 लाख रुपये की राशि सीधे बैंक में जमा की जाएगी। उन्होंने बताया कि यह एक क्रांतिकारी योजना है। राहुल ने कहा कि 'कुछ महीने पहले विधानसभा चुनाव के दौरान मैंने तुक्कुगुडा में ही गारंटी कार्ड जारी किया था। हमने 500 रुपये का सिलेंडर, महिलाओं के लिए मुफ्त बस, गृहलक्ष्मी और गारंटी दी है। हम उन पर अमल कर रहे हैं।

आगरा लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर उतरे सुखोई, मिराज, तेज गर्जना संग आसमान में दिखाए करतब

उन्नाव, एजेंसी। जिले के बांगरमऊ तहसील क्षेत्र के आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे की हवाई पट्टी पर गगन शक्ति अभ्यास के तहत शनिवार को लड़ाकू विमानों ने रिहर्सल किया। हवाई पट्टी पर टच डाउन के लिये एक साथ तेज गर्जना के साथ लड़ाकू विमान गुजरे। यह सभी फाइटर जेट एयर स्ट्रिप की लोकेशन ट्रेस कर बक्शी तालाब लखनऊ एयर फोर्स स्टेशन से आकर आगरा की तरफ चले गए। बता दें कि शनिवार दोपहर करीब 1:30 बजे बारी-बारी से 6 सुखोई, 30 लड़ाकू विमान तेज आवाज के साथ हवाई पट्टी के रनवे के करीब से एक-एक कर गुजरे और आगे जाकर लखनऊ की ओर मुड़ गये। इसके बाद 4 मिराज लड़ाकू विमान गरजते हुये एयर स्ट्रिप के ऊपर से निकले और फिर यही विमान लौटकर बारी-बारी से हवाई पट्टी के ऊपर से गुजरते हुए आगरा

की ओर निकल गये। अंत में 5 साउंड लेस एन-32 एयरक्राफ्ट बारी-बारी से हवाई पट्टी के 10 फीट ऊपर से निकले। जिन्हें दर्शक कौतूहल भरी निगाहों से देखते रहे। यह विमान धुआं छोड़ते हुये चल रहे थे और इनकी ध्वनि बहुत कम थी। खंभाऊली गांव के पास स्थित बाबा की कुटिया के सामने लगे अधिकारियों के पंडाल से उद्घोषक दर्शकों को सभी विमानों की किस्म की जानकारी लाउडस्पीकर के जरिये दी जा रही थी। प्रदर्शन में एयरफोर्स का महत्वपूर्ण माल वाहक जहाज सी-हरक्यूलिस नहीं उतरा और अधिकारी भी चिनूक हेलीकॉप्टर से हवाई पट्टी पर नहीं उतरे।

पटना, रविवार, 07 अप्रैल, 2024

संपूर्ण बिहार

समस्तीपुर। जिले में एक 10वीं के छात्र का शव स्कूल के ग्रिल से बंधा मिला है। शव मिलने के बाद से इलाके में सनसनी फैल गई है. परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। वहीं, घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। मिली जानकारी के अनुसार, रोसड़ा थाना क्षेत्र के ढठा गांव के रहने वाले शंभू कुमार महतो का पुत्र अमूल कुमार उच्च माध्यमिक विद्यालय में 10वीं क्लास में पढ़ता था। कुछ दिन पहले अमूल कुमार के पास से एक चोरी का मोबाइल मिला। जिसको लेकर परिजन एवं आसपास के लोगों से पूछताछ किया जा रहा है।

अपडेट न्यूज

मोतिहारी में वाहन जांच में 30 किलो चांदी बरामद

मोतिहारी। जिला के सुगौली थाना क्षेत्र में पुलिस ने वाहन जांच के दौरान 40 लाख रुपए की चांदी जब्त की। पुलिस ने बरामद चांदी के संबंधित रसीद की मांग तो कारोबारी ने केवल 15 लाख के चांदी का बिल दिखाया। इसके बाद पुलिस ने चांदी को जब्त कर लिया। इसकी जानकारी आयकर विभाग को दी गई है। सदर वन एएसपी ने बताया कि सुगौली पुलिस अहले सुबह वाहन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान सुगौली-छपरा बहास बाईपास रोड में पुलिस ने एक कार को रोका और उसकी जांच की। तलाशी के क्रम में कार से नौ पॉकेट में रखे लगभग 30 किलोग्राम चांदी बरामद जब्त की गई जिसका बाजार मूल्य लगभग 40 लाख रुपए बताया जा रहा है। पुलिस ने कार सवार कारोबारी कौशल सर्राफ से चांदी से संबंधित कागजात मांगा तो कारोबारी कौशल सर्राफ ने सिर्फ 15 लाख रुपया का बिल दिखाया। उसके बाद पुलिस चांदी को जब्त कर लिया और कार समेत कारोबारी कौशल सर्राफ को थाना पर ले आई। कारोबारी से पूछताछ चल रही है। कारोबारी रक्सौल के सोनापट्टी रोड के रहने वाला है जो पटना से चांदी लेकर अपने घर रक्सौल जा रहा था। एएसपी ने बताया कि इसकी जानकारी आयकर विभाग को दे दी गई है। पूछताछ भी की जा रही है। इसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

भागलपुर में टेंट हाउस के गोदाम में लगी आग, लाखों रुपए का सामान जलकर खाक

भागलपुर। जिले में टेंट हाउस गोदाम में आग लग गई। घटना मोजाहिदपुर थाना क्षेत्र के सिकंदरपुर पानी टंकी के पास की है। लोगों का कहना है कि करीब 10 लाख से अधिक की संपत्ति का नुकसान हुआ है। सूचना मिलने के बाद मौके पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम आग बुझाने का काम किया। भीषण आग से आसपास के लोगों के बीच अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने इसकी सूचना फायर ब्रिगेड को दी। सूचना मिलते ही मौके पर दमकल विभाग की कई गाड़ियां पहुंच गई। लोगों की भारी भीड़ आग लगने वाले स्थान पर जमा हो गए। दमकल कर्मियों ने बड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। फायर ब्रिगेड के अधिकारी ने बताया कि अभी घटना के कारणों का पता नहीं चला है। स्थानीय लोगों का कहना है कि शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग सकती है। जिस जगह पर आग लगी थी वहां टेंट हाउस का डेकोरेशन का सामान रखा जा रहा था। करीब तीन कट्ठा मैं फैले गोदाम में आग लगी है। आग बुझाने में फायर ब्रिगेड की टीम को करीब 2 घंटे का समय लगा। तब तक सारा कुछ जलकर राख हो गया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि टेंट हाउस के मालिक को इसकी जानकारी दी गई है। करीब 10 लाख से अधिक संपत्ति का नुकसान बताया जा रहा है। घटनास्थल के पास में ही निजी मोबाइल कंपनी का टावर है। आग के करण टावर में भी क्षति हुई है। सूचना पर पहुंची पुलिस घटना की छानबीन कर रही है।

पूर्णिया में विदेशी शराब के साथ 5 तस्कर गिरफ्तार

पूर्णिया। जिले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने 1000 लीटर विदेशी शराब के साथ 5 तस्कर को गिरफ्तार किया है। वहीं, उनके पास से एक स्कॉर्पियो गाड़ी और एक पिकअप वैन भी बरामद किया है जिसपर शराब लोड था। बताया जा रहा कि शराब को पश्चिम बंगाल के मालदा से पूर्णिया लाया जा रहा था। तभी पूर्णिया के मरंगा थाना क्षेत्र के उफरेल चौक के पास पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की। दरअसल, पूर्णिया के आरक्षी अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली थी कि पश्चिम बंगाल से विदेशी शराब का बड़ा खेप पूर्णिया लाया जा रहा है। इसके बाद डीएसपी पुष्कर कुमार के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई। पुलिस ने पूर्णिया के मरंगा थाना क्षेत्र के उफरेक चौक के समीप वाहन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान एक स्कॉर्पियो गाड़ी एवं महिंद्रा की पिकअप को रुकवाया गया। जहां पुआल लदे पिकअप वैन की जब पुलिस ने तलाशी ली तो उसके अंदर से विदेशी शराब के कार्टून मिले। वहीं, स्कॉर्पियो गाड़ी में भी शराब के कार्टून रखे थे। पुलिस ने स्कॉर्पियो पिकअप पर सवार पांच लोगों को गिरफ्तार किया और पूछताछ के लिए थाने ले गई। पूछताछ के दौरान पता चला कि एक शराब माफिया कई वर्षों से बिहार में शराबबंदी के बाद पश्चिम बंगाल से पूर्णिया लाकर शराब की तस्करी कर रहा था। उसकी भी गिरफ्तारी हुई है। अनुमान लगाया जा रहा कि लोकसभा चुनाव को लेकर किसी पार्टी द्वारा ये विदेशी शराब मंगाया गया होगा।

ईद की खरीदारी करने गए मासूम बच्चे को बस ने रौंदा, मौके पर मौत

मुजफ्फरपुर। जिले में अनियंत्रित सरकारी बस ने एक चार वर्षीय मासूम को रौंद दिया, जिससे बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। इस दौरान बस लेकर मौके से भाग रहे चालक को आक्रोशित लोगों ने पकड़ लिया। फिर उसे बस से खींचकर बाहर निकाला और जमकर पिटाई कर दी। गुस्साए लोगों ने बस में तोड़फोड़ भी की। बस के अंदर बैठे यात्रियों को उतार दिया गया, जिसके बाद मौके पर अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। मामला ब्रह्मपुरा थाना क्षेत्र के मेंहदी हसन चौक का है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। जानकारी के मुताबिक, कुढ़नी प्रखंड क्षेत्र के मनियारी थाना क्षेत्र सोनवर्षा गांव के कुर्बान अली ईद की खरीदारी करने बाजार गए थे। अली बाइक पर अपने चार साल के बेटे को भी साथ ले गए थे। इसी दौरान बैरिया से इमली चट्टी बस स्टैंड की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार बस ने टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक पर बैठा हुआ बच्चा अबू बकर गिर गया और बस के नीचे आ गया। इस घटना के बाद बस चालक मौके पर से फरार हो गया। वहीं, घटना के बाद स्थानीय लोगों ने बवाल शुरू कर दिया। उन्होंने बस को करीब दो सौ मीटर तक खदेड़कर महामाया स्थान के पास पकड़ा और चालक की जमकर पिटाई कर दी।

पोल्ट्रीफार्म में सगे भाइयों की मौत

कटिहार, अमृतवर्षा सं.

जिले के आजमनगर प्रखंड क्षेत्र के सिंघोल पंचायत में दो बच्चों की संदिग्ध स्थिति में हुई मौत से इलाके में सनसनी फैल गई है। मृतक के रिश्तेदार सरजू कुमार मंडल ने बताया कि 15 वर्षीय सूरज कुमार मंडल और 16 वर्षीय विजय कुमार मंडल को शुक्रवार की रात पोल्ट्री फार्म के मालिक दिलावर हुसैन ने दोनों को काम के लिए बुलाया था। आज सुबह सूचना मिली कि दोनों बच्चों की मौत हो गई है। वहीं, इस घटना के बाद मृतक के परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। मृतक के भाई ने बताया कि दोनों लोगों को करंट लगाकर उसकी हत्या की गई और उसे खेत के तरफ फेंक दिया गया। घटना की जानकारी मिलते ही पूरे गांव के ग्रामीण पोल्ट्री फार्म में पहुंच गए। वहीं, पोल्ट्री फार्म के मालिक ग्रामीणों को देखकर वहां से भागने की कोशिश में करने लगा, लेकिन ग्रामीणों ने उसे पकड़कर जमकर धुनाई की। इसके बाद पुलिस के

कटिहार में ग्रामीणों ने संचालक को जमकर पीटा, करंट लगाकर मारने का आरोप, कीचड़ में मिला शव

हवाले किया। वहीं, परिजनों ने इस घटना की जानकारी सालमारी ओपी की पुलिस को दी। मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना को लेकर बारसोई के डीएसपी अजय कुमार ने बताया कि दोनों बच्चों की मौत करंट लगने से हुई है। हालांकि, परिजन हत्या बता रहे हैं, जिसकी जांच पुलिस की ओर से की जा रही है। दोनों बच्चों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है। फिलहाल पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की वजह स्पष्ट हो पाएगी। इस घटना में जो भी दोषी पाए जाएंगे उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सिवान में व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या

सिवान। जिले में जहां पड़ोसी ने एक युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी। साथ ही मृतक के बड़े भाई और पुत्र को भी घायल कर दिया। घटना के बाद से इलाके में दहशत का माहौल है। वहीं, घटना के बाद से पड़ोसी घर छोड़कर मौके से फरार है। मिली जानकारी के अनुसार, जिले के तरवारा थाना क्षेत्र के सलाहपुर गांव निवासी अवधेश यादव (40 साल) और उनके भाई की जिले के जीबी नगर तरवारा में पड़ोसी के साथ मारपीट हो गई। जिसके बाद पड़ोसी ने धारदार हथियार (दाब) से मार अवधेश यादव की हत्या कर दी। जबकि उनके बड़े भाई को बुरी तरह घायल कर दिया। घटना के बाद घायल बड़े भाई को स्थानीय लोगों की मदद से सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उनका इलाज चल रहा है। फिलहाल उनकी भी हालत नाजुक बताई जा रही है। वहीं, इस घटना में मृतक का पुत्र भी घायल हो गया है। मारपीट की सूचना पर पहूंची तरवारा पुलिस ने मृतक के परिजनों का फर्द बयान लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक की पत्नी बेबी रानी ने कहा कि में शुक्रवार शाम मेरा पुत्र आलोक कुमार दरवाजे पर बॉल से खेल रहा था। तभी बॉल पड़ोसी के दरवाजे पर रखे गेंहू में जा गिरी, जिससे वे लोग आक्रोशित हो गए और मेरे बेटे को मारने के लिए दौड़ पड़े। हालांकि हमने बेटे को घर बुलाकर दरवाजा बंद कर दिया। थोड़ी देर तक पड़ोसी हंगामा करते रहे फिर अपने घर चले गए। वहीं, आज सुबह जब मेरे पति के बड़े भाई घर से किसी काम के लिए निकले तो पड़ोसी उनसे उलझ गए और मारपीट करने लगे। यह देख मेरे पति और पुत्र बीच बचाव करने गए, जिसके बाद पड़ोसी ने धारदार हथियार से उनपर हमला कर दिया।

वैशाली में तीन पंचायत क्षेत्रों में आग लगने से 21 घर जले, युवक की झुलसने से मौत

वैशाली, अमृतवर्षा सं.

जिले के राघोपुर और जुड़ावनपुर थाना क्षेत्र के अलग-अलग पंचायत क्षेत्रों में आग लगने से 21 घर जलकर राख हो गए। वहीं, इस घटना में एक युवक की आग में झुलसकर मौत हो गई। मृतक की पहचान राघोपुर थानाक्षेत्र के चांदपुर पंचायत निवासी पोर्टल राय के बेटे सौरभ कुमार (22) के रूप में हुई है। जबकि एक बुजुर्ग आग में बुरी तरह झुलस गया, जिसे बेहतर इलाज के लिए पीएमसीएच रेफर किया गया है। घायल बुजुर्ग की पहचान राघोपुर पश्चिमी निवासी विलास पासवान के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, राघोपुर थाना क्षेत्र के फतेहपुर पंचायत के नयकीपारी टोला में चंद्रदीप महतो के घर में अचानक आग लग गई। आग ने देखते ही देखते भयावह रूप धारण कर लिया और आसपास के 17 घरों को अपनी चपेट में ले लिया। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर आसपास के लोग जुट गए। वहीं, करीब चार दमकल की गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर स्थानीय लोगों की मदद से घंटे भर की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। इसके अलावा चांदपुरा पंचायत में पोतन राय के घर में अचानक आग लग गई। इस घटना में उनके बेटे की आग में झुलसने से मौत हो गई और बगल के तीन घर आग की चपेट में आ गए। वहीं, जुड़ावनपुर थाना क्षेत्र के राघोपुर पश्चिमी पंचायत में विलास पासवान के घर में आग लग गई, जिसमें आठ बकरियां झुलसकर मर गईं। वहीं, इस घटना में विलास पासवान बुरी तरह झुलस गया। उनका इलाज पीएमसीएच में चल रहा है।

कैमूर में छत से गिरकर पुलिस जवान की मौत, बेटा घायल

कैमूर, अमृतवर्षा सं.। बिहार पुलिस के जवान की छत से गिरकर मौत हो गई है। जबकि उसका पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गया है। घटना के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मिली जानकारी के अनुसार, मृतक सहरसा जिले में ड्यूटी कर रहा था। वह चार दिन की छुट्टी लेकर घर आया था। घटना के बाद सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भभुआ सदर अस्पताल भेज दिया है। वहीं, परिजनों ने सरकार से उचित सहायता राशि की मांग की है। यह पूरा मामला नुआंव थाना क्षेत्र के जैतपुरा गांव का है। मृतक जवान की पहचान जैतपुरा गांव निवासी स्वर्गीय शिव नारायण राम के 45 वर्षीय पुत्र रामानुज राम के रूप में की गई है। बताया जा रहा कि रामानुज राम सहरसा जिले में बिहार पुलिस जवान के पद पर तैनात था। जहां वह 1 अप्रैल को अपने घर जैतपुरा आया हुआ था। जहां 3 अप्रैल को अपने घर के छत पर मोबाइल से बात कर

रहा था। इस दौरान उनका बेटा अश्विनी भी वहां मौजूद था। परिजनों ने बताया कि अश्विनी अपने पिता से मोबाइल लेने के लिए जिद कर रहा था। इसी दौरान अचानक एक मंजिला छत से दोनों नीचे गिर गए और गंभीर रुप से घायल हो गया। जिसके बाद दोनों को इलाज के लिए रेफरल अस्पताल रामगढ़ ले जाया गया। जहां से डॉक्टरों ने घायल जवान रामानुज राम को बेहतर इलाज के लिए पहले बनारस फिर दिल्ली रेफर कर दिया। जहां रास्ते में उसकी मौत हो गई। वहीं, घायल पुत्र का इलाज रेफरल अस्पताल रामगढ़ में ही किया जा रहा है।

बेतिया के स्वर्ण व्यवसायी की कार से 22 लाख बरामद

मुजफ्फरपुर। थाना क्षेत्र के कोदरकट्ठा गांव स्थित एनएच 27 पर शनिवार को वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस ने स्वर्ण व्यवसायी विनोद प्रसाद की कार से 22 लाख रुपये बरामद किया है। व्यवसायी बेतिया का रहनेवाला है। सीओ रुचि कुमारी ने बताया कि लोकसभा चुनाव को लेकर वाहन जांच अभियान चल रहा था। इसी क्रम में पुलिस ने मोतिहारी से मुजफ्फरपुर की ओर जा रही कार को रुकने का इशारा किया तो चालक कार को तेजी से भगाने की कोशिश की, जिसे घेर कर पकड़ लिया गया। कार की तलाशी लेने पर व्यवसायी ने पहले बरगलाने की कोशिश की। पुलिस ने जब सख्ती बरती तो कार की सीट के अंदर एक बैग में छुपा कर रखे गये रुपए को बरामद किया गया। पूछताछ में व्यवसायी ने कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया।

पूर्णिया में सात साल की बच्ची की जघन्य हत्या, बलात्कार कर आंख फोड़ दी

पूर्णिया, अमृतवर्षा सं.। जिले के रूपौली में सात साल की मासूम की निर्मम हत्या कर दी गई। हैवानों ने पहले मासूम के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया फिर आंख फोड़कर गला मरोड़ कर मार डाला। बच्ची का शव चपहरी गांव के बहियार में मिलने से सनसनी फैल गई। मामले की जानकारी मिलते ही रूपौली थानेदार दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त करना शुरू कर दिया। रूपौली पुलिस द्वारा दो संदिग्ध को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और जांच में जुट गई है। परिजनों ने बताया कि बच्ची अपनी दादी के साथ मक्का के खेत में खुट्टी काटने के लिए गई थी। दादी 10 बजे बच्ची को खेत में छोड़कर घर वापस

चली आई। उसके बाद जब दादी खेत पहुंची तो बच्ची गायब थी। उसके बाद परिजनों द्वारा बच्ची की खोजबीन की जाने लगी। शुक्रवार की दोपहर में सूचना मिली कि मक्के की खेत में एक लड़की का शव पड़ा हुआ है। इसकी पहचान हम लोगों ने अपने बच्ची के रूप में किया।वहीं मृतिका के दादा ने रेप कर हत्या की आशंका जताई है। घटना के बाद दादा का कहना है बच्ची के साथ दो से तीन लोगों ने रेप किया है। उसके बाद गला मरोड़ कर हत्या कर दी। रूपौली पुलिस द्वारा दो संदिग्ध को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। हिरासत में लिये गये एक व्यक्ति मोतिहारी जिला का बताया जा रहा है। इधर, रूपौली थानेदार अमजद अली ने बताया दो संदिग्ध को हिरासत में लिया गया है। उससे पूछताछ की जा रही है।

गया पैसेंजर से 50 हजार का गांजा बरामद

भागलपुर। गश्ती टीम ने शनिवार को ट्रेन संख्या-05407 रामपुर हाट-गया पैसेंजर से चेकिंग के दौरान लावारिस अवस्था में पांच किलोग्राम गांजा बरामद किया। आरपीएफ इंस्पेक्टर रणधीर कुमार ने बताया कि ट्रेन जैसे ही प्लेटफार्म संख्या तीन पर पहुंची, यात्रियों के उतरने के बाद इंजन से तीसरे जनरल कोच संख्या ईआर-122498 के टॉयलेट गेट के पास लावारिस हालत में एक सफेद व नीले रंग का बैग देखा। किसी ने इसके लिए दावा नहीं किया।

पूर्णिया में रोड शो करेंगे तेजस्वी, बीमा भारती ने कहा

पप्पू यादव उनके लिए कोई चुनौती नहीं

पूर्णिया, अमृतवर्षा सं.। सूबे की पूर्णिया लोकसभा सीट इस बार हॉट सीट बन गई है। पप्पू यादव के चुनाव मैदान में निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर आने के बाद पूर्णिया की सियासत गरमा गई है। पप्पू यादव लगातार खुद को कांग्रेस नेता बता रहे हैं। इसी सिलसिले में पूर्णिया से महागठबंधन से राजद प्रत्याशी बीमा भारती ने पूर्णिया गोकुल कृष्ण आश्रम स्थित राजद कार्यालय के उद्घाटन के दौरान पप्पू यादव के निर्दलीय चुनाव लड़ने पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि पप्पू यादव उनके लिए कोई चुनौती नहीं हैं। हमारे नेता तेजस्वी यादव से बात हुई है। तेजस्वी यादव पूर्णिया में रोड शो भी करेंगे।

जनता लालू-तेजस्वी को देखकर करेगी वोटः साथ ही राजद प्रत्याशी बीमा ने कहा कि पप्पू यादव का चुनावी

मैदान में कूदना कोई चुनौती नहीं है। जनता उनके लिए सर्वोपरि है और जनता का स्नेह सम्मान उन्हें मिल रहा है। पप्पू यादव उनके लिए कोई चुनौती नहीं हैं। हम लोगों के नेता लालू यादव और तेजस्वी यादव हैं और महागठबंधन के सभी दलों ने मिलकर उन्हें उम्मीदवार बनाया है। बीमा भारती ने कहा कि जनता लालू-तेजस्वी को देखकर वोट करेगी। उन्होंने कहा कि जनता का प्यार मिल रहा है। पूर्णिया में महागठबंधन मजबूती से चुनाव लड़ रहा है। वहीं, पप्पू यादव पर कार्रवाई की मांग पर बीमा भारती ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष अखिलेश सिंह ने पप्पू यादव के खिलाफ कार्रवाई की भी बात कही है।

कांग्रेस की सदस्यता नहीं ली है पप्पू यादव नेः वहीं, पप्पू यादव पर तंज कसते हुए बीमा भारती ने कहा कि कांग्रेस पर जिस तरह वे अधिकार जता रहे हैं तो फिर उन्हें टिकट लेकर चुनाव लड़ना चाहिए था। वह निर्दलीय चुनाव क्यों लड़ रहे हैं? साथ ही बीमा भारती ने यह भी दावा किया कि पप्पू यादव ने सिर्फ अपनी पार्टी का विलय कांग्रेस में किया है। उन्होंने अब तक कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण नहीं की है। राजद नेता ने कहा कि जनता के बीच जाकर जनता का स्नेह प्यार लेना चाहिए।

किसान की घर से बुला कर हत्या का आरोप

मुजफ्फरपुर। थाना क्षेत्र के पारू गांव के महुवरिया टोला में दो दिन पहले किसान अरुण तिवारी का संदिग्ध हालत में शव मिलने के मामले में उसके बड़े भाई कामेश्वर तिवारी ने शनिवार को थाना में आवेदन दिया है। इसमें तीन से चार अज्ञात पर घर से बुला कर हत्या करने का आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि तीन मार्च को अरुण बथान पर रात में टीवी देख रहे थे। घर के अन्य सदस्य सोने चले गए। चार अप्रैल की सुबह पता चला कि टोले स्थित एक घर के दरवाजे की सीढ़ी की कुछ दूरी पर अरुण का शव पड़ा हुआ है। उसके सिर के पीछे में चोट का निशान था और मुंह से झाग निकला हुआ था। उन्होंने बताया कि उसके भाई की हत्या की गई है। अरुण के मोबाइल पर कॉल किया गया तो एक बार तो घंटी बजी।

विद्युत विभाग पर गड़बड़ी का आरोप लगा उपभोक्ताओं ने किया हंगामा

सुपौल, अमृतवर्षा सं.। नगर पंचायत के विभिन्न वार्डों के विद्युत उपभोक्ताओं ने शनिवार को पॉवर ग्रीड के समीप हंगामा किया। उपभोक्ताओं का कहना था कि पांच अप्रैल की रात तक सब कुछ सही था। लेकिन सुबह प्रीपेड मीटर से बैलेंस माइनस में चला गया। जिससे लोगों की विद्युत आपूर्ति बाधित है। नगर पंचायत के वार्ड नंबर 06 निवासी विकास कुमार ने बताया कि उसके प्रीपेड मीटर की राशि शुक्रवार को 74 रुपया माइनस में था। इसके बाद इसमें 200 रुपये का रिचार्ज किये। फिर 90 रुपया माइनस में दिखाने लगा। फिर जब 100 रुपये का रिचार्ज किये तो 518 रुपया माइनस में दिखाने लगा। अभी 655 रुपया माइनस में दिखाने लगा है। घर की विद्युत आपूर्ति भी बाधित है। वार्ड नंबर 06 निवासी खुर्शीद ने बताया कि प्रीपेड मीटर में पहले 60 रुपया था। शनिवार को 2544 रुपये माइनस में बता रहा है। विद्युत आपूर्ति भी बाधित है। इस संबंध में विभाग के पदाधिकारी कुछ भी बोलने को तैयार नहीं है। भगवानपुर पंचायत के समदा निवासी संजीव राम ने बताया कि उनके मीटर का अब तक कोई भी बिल नहीं दिया गया है। जब कार्यालय आये तो नौ हजार का बिल थमा दिया गया। उपभोक्ताओं ने करीब तीन घंटे तक हंगामा किया। इस संबंध में जब ग्रीड के सहायक अभियंता धनंजय कुमार सिंह ने बताया कि सॉफ्टवेयर में आई गड़बड़ी के कारण थोड़ी बहुत समस्या हुई है।

मोदी फिर से आए तो नहीं बचेगा लोकतंत्रः दीपांकर

नालंदा, अमृतवर्षा सं.

जिला मुख्यालय बिहार शरीफ की एक निजी सभागार में इंडिया गठबंधन ने शनिवार को कार्यकर्ता महासम्मेलन का आयोजन किया। इस कार्यकर्ता महासम्मेलन में नालंदा लोकसभा प्रत्याशी कामरेड डॉक्टर संदीप सौरव और भाकपा माले के महासचिव कामरेड दीपांकर भट्टाचार्य भी मौजूद रहे। दीपंकर भट्टाचार्य ने अपने संबोधन में कहा कि नालंदा समेत पूरे देश में यह बहुत ही निर्णायक लड़ाई है। बीजेपी पार्टी कोई चुनाव नहीं लड़ रही है। मोदी सरकार लोकतंत्र के खिलाफ, संविधान के खिलाफ, जनता के खिलाफ एक जंग लड़ रही है। जंग फूंक दी गई है और साजिश यह है कि तीसरी बार अगर मोदी सरकार लौट कर आती है तो जो बचा-कुचा लोकतंत्र है जो बचा-कुचा संविधान है, वह भी खत्म हो जाएगा।

यह तानाशाही खत्म करने और लोकतंत्र बचाने का चुनाव हैः भट्टाचार्य ने कहा कि इसलिए जो इस बार का चुनाव है अगर हम बहुत पीछे न जाए तो यह 2004 जैसा चुनाव है। उन्होंने आरोप लगाया कि तब जो हिंदुस्तान की जनता को पता चल गया था, गुजरात में मोदी जी के नेतृत्व में नरसंहार हुआ। उस समय अटल जी प्रधानमंत्री थे और आडवाणी जी गृह मंत्री थे। किसान आत्महत्या कर रहे थे और इंडिया शाइनिंग का झूठा नारा लग रहा था। उन्होंने कहा कि नालंदा हो या कोई भी लोकसभा क्षेत्र हो। यह चुनाव मोदी की तानाशाही को खत्म करने और लोकतंत्र बचाने का चुनाव है।

इंडिया गठबंधन में कोई बिखराव नहींः भाकपा माले नेता दीपांकर भट्टाचार्य ने आगे कहा कि जहां तक बिहार की बात है। बिहार में नीतीश जी इस तरफ आए थे, फिर उस तरफ चले गए। नालंदा नीतीश जी का इलाका रहा है। नालंदा में जनता की आकांक्षाएं कुछ हैं और उन्हें कुछ और ही दिया जा रहा है। पूरे क्षेत्र की जनता ठगा महसूस कर रही है। पूरे देश को बचाना है और नालंदा में बदलाव लाना है। साथ ही इंडिया गठबंधन में बिखराव की बातों पर दीपांकर भट्टाचार्य ने कहा कि इंडिया गठबंधन में किसी प्रकार का बिखराव नहीं है। मुकेश सहनी भी इंडिया गठबंधन से जुड़ गए हैं। वहीं, कार्यकर्ता महासम्मेलन में इंडिया गठबंधन के सभी दलों के नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

खराब काम करने वाली आशा होंगी चयनमुक्त

भागलपुर, अमृतवर्षा सं.

जिला स्वास्थ्य समिति ने शनिवार को बैठक कर आशा के विभिन्न कार्यक्रमों की समीक्षा की। इसकी अध्यक्षता सिविल सर्जन डॉ अंजना कुमारी ने की। सिविल सर्जन ने सभी प्रखंड के प्रखंड सामुदायिक उत्प्रेरकों को कहा कि वैसी सभी आशा जो काम नहीं कर रही हैं, उन्हें प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी रिपोर्ट जारी कर चयन मुक्ति की अनुशंसा करेंगे। हालांकि, एक बार सुधार का मौका दिये जाने की उम्मीद है। जिला स्वास्थ्य समिति के अध्यक्ष सह जिलाधिकारी इन्हें चयन मुक्त करेंगे। बैठक में आशा प्रोग्राम, एनीमिया मुक्त भारत, परिवार नियोजन व अन्य कार्यक्रमों की समीक्षा की गयी। वहीं, वर्ष 2024-25 में गुणवत्तापूर्ण व लक्ष्य के अनुसार काम करने का निर्देश दिया। मौके पर जिलाधिकारी के निर्देश पर खराब प्रदर्शन वाले आशा की सूची जारी की गयी।

इनमें नारायणपुर बैकठपुर दुधैला की परमिता कुमारी, बिहपुर झंडापुर की शांति देवी, खरीक सिहकुंड की ललिता देवी, नवगछिया जमुनिया पंचायत की बिंदु कुमारी, गोपालपुर कालूचक की देहूती कुमारी,

इस्माइलपुर मेघना टोला की रीना देवी, पीरपैंती कामत हुजूरनगर की नीलम कुमारी, कहलगांव ओगरी पंचायत की शीला कुमारी, गोराडीह गरहौतिया की बीवी सोनी, सन्हौला धुआबै की सुचिता कुमारी, जगदीशपुर बलुआचक की राम दुलारी देवी, नाथनगर गोसाईंदासपुर की सुनैना कुमारी व सुल्तानगंज कोलगामा की श्यामा रानी राय शामिल हैं। बैठक में जिला सामुदायिक उत्प्रेरक भरत कुमार सिंह ने सभी प्रखंड सामुदायिक उत्प्रेरक से अग्रिम मासिक भ्रमण योजना को प्रत्येक महीने के पहली तारीख पर भेजने को कहा गया। बैठक को प्रमंडलीय आशा समन्वयक राजीव रंजन सिंह ने संबोधित किया।

अच्छा प्रदर्शन करने वाली आशा होंगी सम्मानित अच्छा प्रदर्शन करने वाले आशाओं को प्रखंड स्तर पर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी प्रत्येक माह सम्मानित करेंगे। बेहतर प्रदर्शन करने वाली आशाओं में से नारायणपुर सिंहपुर पश्चिम की इंदु कुमारी, बिहपुर झंडापुर की नसरीन खातून, नवगछिया प्रताप नगर की सुनीता कुमारी, खरीक ध्रुवगंज की उमा देवी, गोपालपुर बड़ी मकंदपुर की कृष्णा प्रसाद सिन्हा, इस्माइलपुर पूर्वी भिट्ठा की आशा पार्वती कुमारी, पीरपैंती रिफातपुर पंचायत की आसमा खातून, कहलगांव हरचंदपुर की लता देवी, गोराडीह बढ़हरी की रेणु देवी, सन्हौला एकरामा की कुमारी पूनम, जगदीशपुर चांदपुर की प्रीति देवी, नाथनगर तमोनी की कौशल्या कुमारी, सुल्तानगंज मसदी की पूनम निषाद शामिल हैं। बैठक में लिये गये निर्णय आशा दिवस पर आशा गीत का गायन, ड्रेस व पहचान पत्र अनिवार्य, बेहतर व खराब प्रदर्शन वाली आशा का नाम अस्पताल में होगा अंकित, प्रोत्साहन राशि के लिए विशेष प्रशिक्षण, हर माह ड्यू लिस्ट और फैमिली फोल्डर का अपडेट, समय पर प्रोत्साहन राशि समेत लंबे समय से अनुपस्थित आशा कार्यकताओं को चयनमुक्त करने संबंधी निर्णय लिया गया। अनुशंसा पत्र प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी द्वारा दिया जाना सुनिश्चित किया जाये।

पटना, रविवार, 07 अप्रैल, 2024

राजधानी

पटना। पटना के पालीगंज में हाई स्कूल की शिक्षिका ने सुसाइड कर लिया। शिक्षिका की लाश उनकी ही घर के एक कमरे में फंदे से झूला रही थी। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। मृत शिक्षिका की पहचान रेशमा कुमारी के रूप में की गई है, जो पालीगंज के चंदौसी हाई स्कूल में पदस्थापित थी। पालीगंज थाना प्रभारी ने बताया कि वह मूल रूप से नालंदा की रहने वाली थीं। उनके परिजनों को सूचना दे दी गई है।

अपडेट न्यूज

रक्सौल से दिल्ली जा रही सत्याग्रह एक्सप्रेस में लगी आग, यात्रियों में मची अफरा-तफरी

पटना। रक्सौल से दिल्ली जाने वाली सत्याग्रह एक्सप्रेस की एक बोगी में आग लगी है। इसके बाद बोगी में धुआं उठते देख यात्रियों में अफरा-तफरी मच गयी। आग लगने की वजह क्या है अभी इसका पता लगाया जा रहा है। घटना के बाद आनन-फानन में ट्रेन को रोका गया और बोगी से यात्रियों को निकाला गया। इसके बाद रेलकर्मियों ने आग पर काबू पा लिया। इस दौरान लगभग आधे घंटे तक सत्याग्रह एक्सप्रेस मुसहरवा हॉल्ट के पास खड़ी रही। इस दौरान लोगों की भीड़ जुट गई। बता दें कि पिछले साल दिसंबर में भी रक्सौल एक्सप्रेस बर्निंग ट्रेन होते होते बची थी। इस ट्रेन में आग लगने की घटना आम हो चुकी है। यात्रियों के मुताबिक ट्रेन की बोगी में अचानक धुआं उठने लगा। इसके बाद लोगों ने हल्ला करना शुरू कर दिया। इसकी जानकारी ट्रेन के लोको पायलट को दिया गया इसके बाद ट्रेन को रोका गया। हालांकि घटना के कारणों का अब तक पता नहीं चला है। आग बुझाने के बाद ट्रेन को दिल्ली के लिए रवाना कर दिया गया है। घटना को लेकर अब तक अधिकारी की ओर से कोई जानकारी नहीं मिली है।

सीएम की गया में नौ और औरंगाबाद में 11 को सभा

पटना। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का चुनावी प्रचार अभियान शुरू हो गया है। बीते दिनों जमुई में पीएम के साथ चुनावी सभा में शामिल होने के बाद मुख्यमंत्री रविवार को भी नवादा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सभा में मंच साझा करेंगे। नवादा में सीएम चुनावी सभा को संबोधित भी करेंगे। इसके अलावा एनडीए की रणनीति के अनुसार बड़े नेताओं का अलग-अलग चुनाव प्रचार भी शुरू हो गया है। इसके तहत मुख्यमंत्री 9 अप्रैल को गया में हम के संरक्षक जीतनराम मांझी और 11 अप्रैल को औरंगाबाद में भाजपा प्रत्याशी सुशील कुमार सिंह के समर्थन में रोड शो और सभा करेंगे।

पटना के कबाड़ी दुकान में भीषण आग

पटना। सिटी के मेहंदीगंज थाना क्षेत्र के शिवलोक नगर इलाके में स्थित एक कबाड़ी गोदाम में भीषण आग लग गई। वही आगलगी की घटना के बाद पूरे इलाके में अफरा तफरी मच गई। वहीं अगलगी की सूचना मिलते ही मौके पर फायर बिग्रेड की दर्जनों गाड़िया घटना स्थल पर पहुंची। जहां फायर बिग्रेड के जवानों ने आग पर काबू पाने की कोशिशें शुरू कर दी है। आगलगी का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। कागज और प्लास्टिक का बंडल ज्वलनशील होने के कारण आग की लपटे तेज हो गई और देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। जिसके कारण आस पास के घर भी आग के चपेट में आ गए। हालाकि घर रह रहे लोग किसी तरह सुरक्षित घर से बाहर निकल आए। आग को बुझाने में फायर बिग्रेड के जवानों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। तब तक कबाड़ी का गोदाम पूरी तरह जल कर खाक हो गया। वहीं इस आग लगी में पांच लाख रुपए का नुकसान बताया जा रहा है।

ईंट भट्ठा के मैनेजर से मांगी डेढ़ करोड़ की रंगदारी, 3 गिरफ्तार

पटना। सालिमपुर थाना इलाके में एक ईंट भट्ठा के प्रबंधक से डेढ़ लाख की रंगदारी मांगने वाले तीन आरोपितों को पुलिस ने शुक्रवार की रात गिरफ्तार कर लिया, इसमें ईंट भट्ठे से हटाये गए पूर्व कर्मी गुंजन यादव भी शामिल है। पुलिस ने तीनों को कोर्ट में पेश किया, जहां से तीनों आरोपितों को जेल भेज दिया गया। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) रोशन कुमार ने बताया कि सालिमपुर थाना इलाके में स्थित एक ईंट भट्ठा के प्रबंधक तीन अप्रैल को अपनी गाड़ी से भट्ठे पर जा रहे थे। उसी दौरान रास्ते में अलीपुर गांव निवासी गुंजन यादव, दिलखुश और धीरेन्द्र कुमार ने भट्ठे के प्रबंधक को रोक लिया और उनसे डेढ़ करोड़ रुपये रंगदारी देने की मांग की। एसपी ने बताया कि गुंजन भी पहले उसी भट्ठा पर काम करता था, जिसके कारण आरोपित और प्रबंधक एक दूसरे को अच्छी तरह से जानते थे। गुंजन ने ही हाथ देकर प्रबंधक की गाड़ी रोकी और रंगदारी की मांग की। इसको लेकर पीड़ित ने थाने में केस दर्ज कराया था। इसकी जांच के लिए बाढ़ डीएसपी के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई थी। जांच के बाद पहले गुंजन को पकड़ा गया और उसकी निशानदेही पर उसके दोनों सहयोगियों को गिरफ्तार कर लिया गया। एसपी ने बताया कि गुंजन और दिलखुश इसके पहले भी चोरी में जेल जा चुके हैं। तीसरे आरोपित का आपराधिक इतिहास पता लगाया जा रहा है।

गांधी मैदान की हवा फिर से हुई खराब, सुबह में न टहलें

पटना। गांधी मैदान की हवा फिर से खराब हो गई है। शनिवार की सुबह गांधी मैदान क्षेत्र का वायु गुणवत्ता सूचकांक 330 तो शाम पांच बजे 303 रहा। यह शहर का सबसे प्रदूषित इलाका माना जा रहा है। यहां की हवा में पीएम 10 और पीएम 2.5 की मात्रा मानक से औसतन तीन से चार गुना अधिक है। ऐसे में इस क्षेत्र में सुबह में टहलना लाभप्रद नहीं है। पटना सिटी क्षेत्र की हवा का सूचकांक 209 पाया गया, यही नहीं समनपुरा और राजवंशी नगर की सुबह की हवा की गुणवत्ता खराब श्रेणी में पाई गई, लेकिन शाम होते होते सामान्य हो गई, लेकिन धूलकण से इस क्षेत्र के लोग परेशान रहे।

खुले में निर्माण से बढ़ा वायु प्रदूषण: गांधी मैदान क्षेत्र में वायु प्रदूषण का प्रमुख कारण खुले में निर्माण कार्य का होना है। इस क्षेत्र में डबल डेकर पुल का निर्माण किया जा रहा है, वहीं मेट्रो का काम चल रहा है। पर्यावरणीय नियमों का पालन नहीं होने से धूलकण वायु में फैल रहा है। निर्माण कार्य स्थल को हरे कपड़े से ढका नहीं गया है। इतना ही नहीं सड़कों पर फैले धूलकण की सफाई भी नगर निगम की ओर से नहीं की जा रही है।

चिराग पासवान के जीजा के खिलाफ तेजस्वी यादव की हुंकार, बोले

बाहर से आने वालों को बाहर का रास्ता दिखाओ

जमुई/पटना, अमृतवर्षा ब्यूरो

लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम एवं नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने शनिवार को जमुई में जनसभा की। इस दौरान उन्होंने एनडीए के प्रत्याशी अरुण भारती के बाहरी होने पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि लोजपा रामविलास के मुखिया चिराग पासवान ने जमुई से अपने जीजा अरुण भारती को टिकट दिया है। वे बाहरी कैंडिडेट हैं। बाहर से आने वाले कैंडिडेट को बाहर का रास्ता दिखाइए। तेजस्वी ने कहा कि जमुई से आरजेडी की प्रत्याशी अर्चना रविदास स्थानीय उम्मीदवार है। वह हमेशा क्षेत्र के लोगों के लिए काम करेंगी। उन्हें ढूंढने के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। तेजस्वी यादव ने जमुई स्टेडियम में शनिवार को अर्चना रविदास के समर्थन में रैली करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को अब परिवारवाद क्यों नहीं दिखाई देता है। पहले चरण में बिहार के चार लोकसभा क्षेत्र में चुनाव परिवारवाद का उदाहरण बना हुआ है। उन्होंने देश की जनता से जो भी बड़ा वादा किया उसे पूरा नहीं किया। तेजस्वी ने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव में उन्होंने जनता से 10 लाख युवाओं को नौकरी देने का वादा किया था।

जब मौका मिला तो आरजेडी ने सत्ता में आकर 17 महीने में 5 लाख युवाओं को नौकरी देकर दिखा दिया। उन्होंने दावा किया कि देश की कोई भी राज्य सरकार या केंद्र की सरकार 17 महीने में 5 नौकरी देने का काम किया है तो बताएं। उन्होंने कहा कि चिराग पासवान उनके भाई के समान हैं और यहां से उनके जीजा चुनाव लड़ रहे हैं। जबकि लालू प्रसाद यादव ने स्थानीय महिला अर्चना रविदास को उम्मीदवार बनाया है। तेजस्वी यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गरीबी मिटाने, महंगाई को कम करने, दो लाख युवाओं को प्रतिवर्ष नौकरी देने और 15 लाख रुपया हर व्यक्ति के बैंक खाते में देने का वादा किया था। एक भी वादा को उन्होंने पूरा नहीं किया। जब भी वे जमुई आते हैं तो यहां के लोगों को ठगने के लिए आते हैं। उन्होंने भीड़ से पूछा कि क्या कोई यह बताया कि जमुई क्षेत्र से लड़ने वाले उम्मीदवार कहां के हैं। जनता ने हाथ हिला कर नहीं में जवाब दिया।

उन्होंने कहा कि जिस रेलवे में युवाओं को नौकरी दी जाती थी, उसका निजीकरण हो गया है। देश की संपत्ति को पूंजीवादी के हाथ में बेचा जा रहा है। युवाओं के साथ छल किया गया है। जनता आने वाले चुनाव में जवाब देगी। इस मौके पर वीआईपी पार्टी के अध्यक्ष मुकेश सहनी ने भी अपने संबोधन में आरजेडी प्रत्याशी अर्चना रविदास को वोट देकर विजयी बनाने की अपील की। सभा को पूर्व मंत्री आलोक मेहता, पूर्व मंत्री विजय प्रकाश, जमुई के पूर्व विधायक अजय प्रताप, सिकंदरा के पूर्व विधायक बंटी चौधरी, शेखपुरा के विधायक विजय सम्राट, गोड्डा के पूर्व विधायक संजय यादव समेत आरजेडी के अन्य नेताओं ने संबोधित किया।

नीतीश के मंत्री के बड़े भाई और पूर्व विधायक अजय ने थामा राजद का दामन

पटना, अमृतवर्षा सं.। एनडीए को जमुई में एक बहुत बड़ा झटका लगा है। बिहार सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री सुमित कुमार सिंह के बड़े भाई और दिवागंत पूर्व कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह के बेटे और जमुई विधानसभा क्षेत्र के पूर्व जदयू विधायक अजय प्रताप सिंह राष्ट्रीय जनता दल (राजद) में शामिल हो गए। पार्टी ज्वाइन करने को लेकर अजय प्रताप पटना पहुंच गए है और तेजस्वी यादव के आवास पर 2 बजे इसकी औपचारिक घोषणा भी कर दी गई। 2010 में अजय प्रताप सिंह ने राजद के पूर्व मंत्री विजय प्रकाश को हराया था। अजय प्रताप पूर्व दिवंगत कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह के बेटे हैं। नरेंद्र सिंह इलाके के पुराने और बड़े नेता रहे और जमुई सीट पर राजपूत वोटरों का बड़ा प्रभाव है। पिछले पांच विधानसभा चुनाव में इस सीट पर

तीन बार नरेंद्र सिंह के परिवार का कब्जा रहा है। 2015 के विधानसभा चुनाव में भी अजय प्रताप भाजपा के टिकट पर यहां से चुनाव लड़े थे। लेकिन तब उन्हें राजद के विजय प्रकाश के हाथों हार मिली थी। लोकसभा चुनाव में अजय प्रताप के राजद में शामिल होने पर राजद उम्मीदवार अर्चना रविदास को फायदा होगा। जमुई विधानसभा क्षेत्र में करीब 3 लाख मतदाता है। इस सीट पर राजपूत वोटरों का बड़ा प्रभाव रहा है। साल 1967 से 2015 तक हुए 13 विधानसभा चुनाव में नौ बार राजपूत उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की है। 2000 के विधानसभा चुनाव के बाद इस सीट पर नरेंद्र सिंह परिवार का कब्जा रहा है। इससे ये बात साफ है कि अजय प्रताप के राजद में शामिल होने पर इसका सीधा फायदा राजद उम्मीदवार अर्चना रविदास को होगा। बड़ी बात यह है कि अजय प्रताप के छोटे भाई सुमित कुमार सिंह बिहार सरकार में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री है और वह राज्य के पहले ऐसे विधायक बने जो एकमात्र निर्दलीय चुने गए है।

कानून तोड़कर आगे बढ़ाना लालू परिवार असली परिचय, जनता सब देख रही है: सम्राट

पटना, अमृतवर्षा सं.। बिहार में लोकसभा चुनाव को लेकर एनडीए गठबंधन और इंडिया गठबंधन अब चुनावी मैदान में उतर चुके हैं। प्रधानमंत्री मोदी खुद जमुई से जनसभा कर चुनाव का शंखनाद कर चुके हैं। वहीं पहली बार चुनाव लड़ रहे लालू प्रसाद यादव की पुत्री रोहिणी आचार्य के विरुद्ध शुक्रवार को चुनाव आयोग में आचार संहिता उल्लंघन मामले में शिकायत दर्ज की गई है। इसी मामले को लेकर शनिवार को बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने लालू प्रसाद यादव पर हमला बोला है। उन्होंने शनिवार को कहा कि कानून तोड़कर आगे बढ़ाना उनका असली परिचय है। लालू परिवार का मतलब ही है खसोट और गुंडाराज। रोहिणी आचार्य सारण लोकसभा सीट पर महागठबंधन की उम्मीदवार हैं। बीजेपी के

सांसद राजीव प्रताव रूडी को रोहिणी चुनौती दे रही हैं। रोहिणी के रोड शो में युवाओं की काफी भीड़ उमड़ रही है। सम्राट चौधरी ने कहा कि लालू प्रसाद यादव के परिवार से और क्या उम्मीद की जा सकती है। कानून तोड़ने में वे लोग माहिर है। गुंडाराज और लूट खसोट राजद और लालू यादव की पहचान रही है। रोहिणी आचार्य ने भी अपनी मां का सिक्योरिटी का उपयोग कर यह जाता दिया है। इस मामले में चुनाव आयोग से शिकायत की गई है। कानून अपना काम कर रही है।

तेजस्वी यादव जो कहते हैं वो करते हैं: अरुण

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश प्रवक्त अरुण कुमार यादव ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव जो कहते हैं वो करते हैं। जो काम नीतीश-भाजपा की बिहार सरकार ने 17 सालों में नहीं किया वो काम तेजस्वी यादव ने अपने वादों के अनुरूप 17 महीनों की महागठबंधन सरकार में कर दिखाया। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव के कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं है, वहीं भाजपा-जदयू के कथनी और करनी में बहुत बड़ा अंतर है। जिसके कारण लोगों का विश्वास भाजपा-जदयू से उठ गया है। नीतीश कुमार की पलटी मार राजनीति और भाजपा की जुमले-झूठ और नफरत की राजनीति से जनता परेशान होकर महागठबंधन के पक्ष में गोलबंद होकर केंद्र सरकार को सत्ता से हटाने के लिए संकल्पित है।

लोकसभा चुनाव को लेकर एक्शन में पटना पुलिस

5000 वारंटी गिरफ्तार, 80 लाख से ज्यादा कैश बरामद

पटना, अमृतवर्षा सं.

लोकसभा चुनाव 2024 को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष कराने के लिए लगातार जिला प्रशासन की ओर से तैयारी के साथ-साथ अपराधियों पर कार्रवाई की जा रही है। वहीं अपराधियों पर पटना पुलिस की पैनी निगाह भी है। उसी कड़ी में पटना पुलिस के द्वारा अभी तक बाउन्ड डाउन 17449 और गुंडा रजिस्टर में 8949 लोगों को अंकित किया गया है।

लोकसभा चुनाव को लेकर एक्शन में पटना पुलिस: सभी थाना अध्यक्षों को एसएसपी ने निर्देश दिया है कि गुंडा पंजी में शामिल सभी लोगों को समय-समय पर थाने में हाजिरी देनी होगी। हाल ही में गिरफ्तार 371 लोगों पर सीसीए के तहत प्रस्ताव समर्पित किया गया है। 550 हथियार चुनाव के मद्देनजर जमा कराए गए हैं।

5 हजार वारंटी गिरफ्तार: नियम पालन नहीं करने के लिए 80 बंदूक धारकों के लाइसेंस को रद्द करने की करवाई हुई है। अचार संहिता के 16 दिनों के अंतराल में 48 अवैध हथियार और 116 कारतूस बरामद किया है। 5 हजार वारंटियों को गिरफ्तार किया गया है जिससे लंबित वारंट आंकड़े घटकर 600 पर आ गये हैं।

भारी मात्रा में कैश बरामद: पुलिस की कार्रवाई मे पिछले पांच महीने में 300 अवैध हथियार और 14 सौ कारतूस बरामद हुआ है।वहीं सात लाइसेंसी हथियार को जब्त किया गया है। पटना एसएसपी राजीव मिश्रा ने बताया है कि 5035 नॉन बेलेबल वारंट जारी किया गया है, वही 872 वाहनों को भी जब्त किया गया है। देसी शराब 59528 और 4210 स्प्रिट बरामद किया गया है। 874 मोबाइल और 8738375 रुपए कैश बरामद किए गए हैं। इसी तरीके से लगातार पटना पुलिस के द्वारा कार्रवाई की जा रही है।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ आज आयेंगे बिहार

पटना। भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ 7 अप्रैल को बिहार दौरे पर आ रहे हैं. उपराष्ट्रपति बोध गया के छठे दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि होंगे. उप-राष्ट्रपति गया में महाबोधि मंदिर में दर्शन करेंगे। बिहार के इस एक दिवसीय दौरे पर जगदीप धनखड़ आई आई एम, बोध गया के छठे दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे। अपनी इस यात्रा में उप-राष्ट्रपति गया के महाबोधि मंदिर भी जाएंगे। आईआईएम बोधगया में एमबीए 08 बैच के दीक्षांत समारोह का भव्य आयोजन हो रहा है। समारोह में विशिष्ट अतिथि भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ रहेंगे। माननीय उपराष्ट्रपति के साथ डॉ। सुदेश धनखड़, बिहार के राज्यपाल राजेंद्र आर्लेकर एवं आईआईएम बोधगया के चेयरपर्सन उदय कोटक भी दीक्षांत समारोह में उपस्थित रह कर उसे शोभायमान करेंगे। कार्यक्रम में 7 अप्रैल की दोपहर माननीय उपराष्ट्रपति एवं डॉ। सुदेश धनखड़ द्वारा आईआईएम बोधगया में पौधरोपण के साथ शुरू होगा।

दहेज लोभियों ने विवाहिता को घर से निकाला

पटना, अमृतवर्षा सं.

स्थानीय थाना में एक पीड़िता ने अपने पति समेत पांच लोगों पर दहेज उत्पीड़न व घर से मारपीट कर निकालने का मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने विवाहिता के तहरीर के आधार पर पति समेत पांच के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

तहसील क्षेत्र के एक गांव निवासी युवती की शादी छह वर्ष पूर्व थाना क्षेत्र के श्री नगर मुहल्ले निवासी तारकेश्वर यादव के पुत्र संतु यादव के साथ हिंदू रीति रिवाज के हिसाब से हुआ था। और शादी में हैसियत के अनुसार दान दहेज भी दिया था।लेकिन दहेजलोभी शादी में मिले दान दहेज से खुश नहीं थे। दहेज लोभी पटना में फ्लैट खरीदने के लिए मायके से पंद्रह लाख रुपए की मांग करने लगे, जब विवाहिता के मायके वाले ने असमर्थता जताई तो दहेज लोभियों ने विवाहिता को प्रताड़ित करने के साथ ही मारपीट करने लगे। जिस पर महिला अपने मायके आ गई और परिजनों को सारी बात बताई।और परिजनों के साथ थाना पहुंचकर दहेज लोभियों को नामजद कर पुलिस को तहरीर दी।पीड़ित महिला की तहरीर के आधार पुलिस ने पति समेत पांच लोगों के खिलाफ संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की हैं।

वारंटी को पुलिस ने किया गिरफ्तार, जेल

पटना, अमृतवर्षा सं.। डीएसपी एसपी नव वैभव ने अनुमंडल थाना क्षेत्रों में वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाने का निर्देश दिया था।इसी क्रम में मसौढ़ी पुलिस ने शुक्रवार की देर शाम वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए मसौढ़ी में अभियान चलाया।इस अभियान के तहत पुलिस ने चार वारंटियों को गिरफ्तार किया।गिरफ्तार वारंटी थाना क्षेत्र डीह मसौढ़ी निवासी युगल पासवान अजय पासवान घन पासवान व युगेश्वर पासवान है।मसौढ़ी थानाध्यक्ष विजय कुमार यादुवेंदू ने बताया कि चारों आरोपियों के खिलाफ न्यायालय से वारंट जारी थे। तभी से इनकी गिरफ्तारी के लिए दबिश भी दी जा रही थी। वहीं,देर रात पुलिस ने अभियान चलाकर चारों आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार चारों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से जेल भेज दिया गया है।

सहनी से एनडीए पर कोई असर नहीं पड़ेगा, किसे वोट देना है यह जनता जानती है: झा

पटना, अमृतवर्षा सं.

वकासशील इंसान पार्टी के अध्यक्ष मुकेश सहनी की शुक्रवार को महागठबंधन में धमाकेदार एंट्री हो चुकी है। इसके साथ ही सियासी गलियारों में इस बात की चर्चा शुरू हो गई कि इससे विपक्षी खेमे को लाभ होगा और एनडीए को कई सीटों पर खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। हालांकि सत्ता पक्ष के नेताओं का दावा है कि इससे कोई असर नहीं पड़ने वाला है। जेडीयू के राज्यसभा सांसद संजय कुमार झा ने शनिवार को पटना एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि बिहार की जनता को पता है कि उसे क्या करना है और कैसी सरकार बनानी है। झा ने बताया की मुकेश सहनी के महागठबंधन में आने से एनडीए का कोई नुकसान नहीं होगा। एनडीए का चुनाव प्रचार चल रहा है। सभी 40 सीटों पर हमारे उम्मीदवार घोषित हो चुके हैं। जो माहौल देश का है, किसको प्रधानमंत्री बनाना है, कौन सी सरकार बनानी है, वह बिहार की जनता जानती है।

मुकेश सहनी किसी के साथ चले जाएं, ये उनका निर्णय है लेकिन इससे बिहार में एनडीए पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता ने एनडीए के उम्मीदवारों को जिताने का मन बना लिया है। जनता भी जानती है कि देश में कौन प्रधानमंत्री होगा और कौन देश की तरक्की कर सकता है। लिहाजा बिहार की सभी 40 सीटों पर एनडीए की जीत तय है।

सनातन विरोधियों के साथ जाकर मुकेश सहनी ने केवट समाज को किया निराश: प्रभाकर मिश्र

पटना, अमृतवर्षा सं.

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रभाकर कुमार मिश्र ने वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी पर तंज कसते हुए कहा कि यदि मुकेश सहनी सही मायने में 'सन ऑफ मल्लाह' होते , तो सनातन विरोधियों के कुनबे में कभी शामिल नहीं होते। प्रभु राम से निषादों का अलौकिक संबंध रहा है, निषाद राज ने अपनी नौका से प्रभु श्रीराम को नदी पार कराकर पुण्य प्राप्त किया था। प्रभु राम के प्रति निषादों का गहरा भक्ति भाव रहा है। लेकिन, मुकेश सहनी ने सनातन विरोधियों के साथ जाकर केवट समाज के लोगों को निराश किया है।प्रभाकर कुमार मिश्र ने शनिवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि मुकेश सहनी को अब 'सन ऑफ मल्लाह' नहीं, बल्कि घोर अवसरवादी कहा जाना चाहिए। लेकिन, ये ऐसे अवसरवादी साबित होंगे, जो अवसर पाकर अपना ही घर फूंक डालेंगे। अवसरवादियों के सोहबत में जाकर मुकेश सहनी पहले ही बहुत कुछ गंवा चुके हैं, इस बार भी उनकी लुटिया डुबाने वाली है। मुकेश सहनी की पार्टी बीआईपी ने वर्ष 2019 की लोकसभा चुनाव में महागठबंधन से तीन सीट पर चुनाव लड़ी और सभी तीन सीट पर करारी हार मिली। जबकि वीआईपी ने वर्ष 2000 में एनडीए के साथ विधानसभा चुनाव लड़ी और चार सीटों पर जीत दर्ज की। वहीं, 2022 में उत्तर प्रदेश के 55 विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़े और सभी सीट पर हार का सामना करना पड़ा। यह दशार्ता है कि मुकेश सहनी की पार्टी बिना रीढ़ की हड्डी है।

वीआईपी बुझा हुआ कारतूस है, ऐसे कारतूसों को इकट्ठा कर कोई चुनावी जंग नहीं जीत सकता। वीआईपी से महागठबंध को नहीं मिलने वाला है। इस बार भी महागठबंध में मुकेश सहनी की स्थिति बहुत ही खराब होगी और उनकी पार्टी शून्य पर आउट हो जायेगी। सनातन विरोधियों की सोहबत में जाने वाले मुकेश सहनी को केवट समाज कभी माफ नहीं करेगा। देश की जनता पीएम मोदी और बिहार के सीएम नीतीश कुमार के डबल इंजन की सरकार के साथ है। देश की जनता 'चार सौ पार' का नारा का संकल्प ले चुकी है।

पटना में चिराग के सवाल पर पशुपति बोले- 40 सीटों पर मेरा समर्थन

शिकवा-शिकायत सब खत्म, एनडीए में ही हूं

पटना, अमृतवर्षा सं.। बिहार के लोकसभा चुनाव में एनडीए में जब सीट बंटवारा हुआ तो चिराग पासवान के चाचा और पूर्व केंद्रीय मंत्री रहे पशुपति कुमार पारस ने बागी तेवर दिखाते हुए हाजीपुर से चुनाव लड़ने का ऐलान किया और केंद्र की मोदी मंत्रिमंडल से इस्तीफा भी दे दिया। पर भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के समझाने के बाद कुछ दिनों बाद ही पारस दोबारा एनडीए गठबंधन में लौट गए और शनिवार को उन्होंने बिहार में एनडीए गठबंधन को लेकर बड़ा दावा किया। राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पशुपति कुमार पारस ने शनिवार को कहा कि एनडीए गठबंधन बिहार में पूरी मजबूती के साथ एकजुट है। हम सभी दल एक साथ एनडीए के साथ है। वही इस चुनाव में हम सभी को मिलकर बिहार की लोकसभा में 40 सीट जीतना है। जब पत्रकारों ने उनसे उनके भतीजे और लोजपा रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग

पासवान के बारे में बात की तो पशुपति कुमार पारस ने चौंकाने वाला जवाब दिया।

चिराग पासवान से कोई शिकवा-शिकायत नहीं, सभी नाराजगी दूर हो गई: पशुपति पारस ने यह भी साफ कर दिया है कि भतीजा चिराग पासवान से कोई शिकवा-शिकायत नहीं है। सब नाराजगी दूर हो गई है। उन्होंने कहा कि इस बार एनडीए गठबंधन के तहत सब लोगों का प्रयास है कि (बिहार में) 40 की 40 सीटें हम जीतें। नरेन्द्र मोदी को फिर से तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने की बात पारस ने कही। पारस ने कहा की एनडीए को किस प्रकार 400 पार पहुंचाया जाए इसको लेकर हमलोग काम कर रहे हैं। एनडीए गठबंधन पूरे देश में काफी मजबूत है और नरेन्द्र मोदी फिर से प्रधानमंत्री बनेंगे। पटना में आरएलजेपी की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक होने वाली है। इसको लेकर प्रिंस राज समेत तमाम नेता पहुंचे हुए हैं। बैठक में तय होगा कि किस प्रकार से एनडीए प्रत्याशियों का समर्थन किया जाए। क्योंकि आरएलजेपी अभी भी एनडीए का हिस्सा है।

पशुपति के हाथ रहे खाली, पर एनडीए को मजबूत करना है: कुछ दिनों पहले पशुपति पारस और प्रिंस राज बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की। उन्होंने एनडीए प्रत्याशियों को समर्थन देने का वादा किया। साथ ही कहा कि नरेन्द्र मोदी और एनडीए को मजबूत करना है। पशुपति पारस को एनडीए से झटका लगा था। उनके भतीजे चिराग पासवान की पार्टी एलजेपीआर को जहां 5 सीट दी गई थी, वहीं पारस के हाथ एक सीट भी नहीं आयी। इसके बाद पारस बगावत पर उतर आए। केन्द्रीय मंत्री पद से इस्तीफा तक दे दिया। हालांकि बाद में वह फिर से एनडीए और पीएम मोदी का गुणगान करने लगे।

110 लीटर देशी शराब के साथ एक गिरफ्तार

पटना। मसौढ़ी पुलिस ने लोस चुनाव को लेकर क्षेत्र में अवैध देसी शराब के कारोबारियों पर शिकंजा कसा है। गुप्त सूचना के आधार पर संघतपर मुसहरी से पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक तस्कर सहित 110 लीटर अवैध देसी शराब व 1000 किलो जावा महुआ जब्त कर नष्ट किया है। इस संबंध में सुसंगत धाराओं में मसौढ़ी थाना में प्राथमिकी दर्ज कर अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया है.पुलिस ने अवैध देसी शराब का कारोबार का भंडाफोड़ करते हुए सभी समान बरामद किये हैं।

संपादकीय

अमृतवर्षा संपादकीय

वे अपने ही देश को अस्थिर कर रहे हैं...,

भारतीय उत्पादों का बहिष्कार नहीं होगा कामयाब

जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के नेतृत्व वाली विपक्षी इस्लामवादी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के बहिष्कार के बावजूद जनवरी, 2024 के चुनाव में जीत हासिल करके शेख हसीना पांचवीं बार बांग्लादेश की प्रधानमंत्री बनीं। छिटपुट हिंसा के बीच व्यापक रूप से स्वतंत्र एवं निष्पक्ष तरीके से 40 फीसदी से ज्यादा मतदान हुआ। शेख हसीना पर पश्चिमी देशों का दबाव था। लेकिन भारत ने निजी तौर पर इस हस्तक्षेप का विरोध किया। शेख हसीना की स्वायत्त विदेश नीति, भारत से निकटता और बांग्लादेश की शानदार सफलता की वजह से पश्चिमी देश उन्हें सत्ता से बाहर करना चाहते थे। इसलिए वे भारत और बांग्लादेश के बीच दरार पैदा करने के लिए 'इंडिया आउट' अभियान चला रहे हैं। यह निराश इस्लामवादियों को सक्रिय होने का मौका देता है। अर्थव्यवस्था को धर्म के साथ मिलाने का नतीजा हमेशा विनाशकारी होता है। इसे पाकिस्तान, सूडान और अफगानिस्तान, आदि के हालात से समझा जा सकता है। बांग्लादेश के इस्लामवादी समूहों का मुख्य लक्ष्य बांग्लादेश में सरिया कानून से शासन चलाना है। जहां आर्थिक मंदी हसीना की मुख्य चुनौती है, वहीं देश का बढ़ता इस्लामीकरण चिंता की बात है। पहले की तुलना में अब ज्यादा बांग्लादेशी महिलाएं बुर्का और हिजाब में दिखती हैं।

शासन परिवर्तन आंदोलन का नेतृत्व ओपन सोसाइटी फाउंडेशन कर रहा है, जिसकी स्थापना खतरनाक जॉर्ज सोरोस ने की है, जो न्याय, लोकतांत्रिक शासन और मानवाधिकारों (और दुनिया को नियंत्रित करने के अमेरिकी हित) के लिए काम करने वाले तथाकथित स्वतंत्र समूहों का सबसे बड़ा निजी वित्तपोषक है। पहला बांग्लादेशी इस्लामी उग्रवादी गुट 1989 में उभरा, जब कई दर्जन गुटों का एक नेटवर्क स्थापित और विस्तारित हुआ। भारत मुक्ति संग्राम के समय से ही बांग्लादेश की बाहरी चुनौतियों से निपटा है। भारत ने अवामी लीग का समर्थन किया, जबकि पाकिस्तान, चीन और अमेरिका उसके खिलाफ खड़े थे। ये सभी शेख हसीना को सत्ता से हटाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

दक्षिण एशिया में सबसे बड़े और सबसे शक्तिशाली देश के रूप में भारत कमजोरों के खिलाफ होने वाले अत्याचारों का सामना करता है, लेकिन हमारे सभी छोटे पड़ोसियों द्वारा आरोप लगाए जाते हैं। जाहिर है, सही संतुलन बनाना आसान नहीं है, लेकिन हम संवेदनशील प्रयास कर रहे हैं। क्या 'बांग्लादेश के घरेलू मामलों में निरंतर हस्तक्षेप' का विरोध करने के लिए भारतीय उत्पादों के बहिष्कार का इंडिया आउट अभियान, जो ज्यादातर सोशल मीडिया पर चल रहा है, काम करेगा। इसका जवाब है-नहीं, क्योंकि इसका उद्देश्य भारत को नुकसान पहुंचाना उतना नहीं है, जितना ढाका की सरकार को अस्थिर करना।

बांग्लादेश भारत से आयात पर निर्भर है, जो कुल मिलाकर 16 अरब डॉलर से ज्यादा का है। इसमें खाद्य, ईंधन, उर्वरक, औद्योगिक कच्चा माल जैसी जरूरी चीजें शामिल हैं, जबकि उसके कॉरपोरेट सेक्टर सॉफ्टवेयर और सेवा-आधारित कुशल भारतीय श्रमिकों और विशेषज्ञों को नियुक्त करते हैं। भारत ने बांग्लादेश को विकास सहायता के मद में 10 अरब डॉलर से ज्यादा रकम दी है। भारत अगर बांग्लादेश से बाहर निकल जाएगा, तो क्या बांग्लादेश चीन से आयात करेगा? 'इंडिया आउट' अभियान से जुड़े लाखों बीएनपी समर्थकों का झुकाव जिहादवाद और हिंदू विरोधी भावनाओं की ओर है, जो इस क्षेत्र के लिए गंभीर सुरक्षा खतरा पैदा कर सकता है। बांग्लादेशी मदरसे उग्रवाद के लिए खाद-पानी मुहैया कराते रहते हैं। हिंदुओं पर छिटपुट हमले और उनकी संपत्तियों को लूटने की घटनाएं होती रहती हैं।

इन सबके बावजूद बांग्लादेश भारत के लिए और भारत बांग्लादेश के लिए इतने महत्वपूर्ण हैं कि इसे नजरंदाज नहीं किया जा सकता। नदी जल का बंटवारा, जलवायु परिवर्तन से लड़ना, अधिक आयात, खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा, बेहतर सीमा प्रबंधन-ये प्राथमिकता वाले क्षेत्र हैं। कई दक्षिण एशियाई देश यह सबक ले रहे हैं कि चीन वास्तव में उन्हें अपने बराबर नहीं मानता। बांग्लादेश का लक्ष्य अगले 20 वर्षों में अपने 16.7 करोड़ लोगों के लिए उच्च-मध्यम आय का दर्जा प्राप्त करना है, जो भारत के समर्थन के बिना संभव नहीं है। कुछ ही महीने पहले ढाका ने अपनी भुगतान संतुलन की लड़खड़ाती स्थिति को देखते हुए आईएमएफ से ऋण मांगा था। बांग्लादेश का कर-जीडीपी अनुपात दुनिया में सबसे कम है। ईंधन की कीमतों में रातों-रात 50 फीसदी की वृद्धि हुई और लोग सड़कों पर उतर आए। बांग्लादेश को भारत से पैसा, निवेश, तकनीक और खाद्यान्न चाहिए। जबकि भारत चाहता है कि वहां भारत-विरोधी गुटों को पनाह नहीं मिले, गैर-मुस्लिम अल्पसंख्यकों की सुरक्षा हो और चीन को इतना तवज्जो न दिया जाए कि हमारे सुरक्षा हितों को नुकसान पहुंचे।

कोई भी अर्थव्यवस्था तब संकट में होती है, जब उसे बढ़ती ऊर्जा लागत, बढ़ती मुद्रास्फीति, घटते विदेशी मुद्रा भंडार, प्रतिकूल अंतरराष्ट्रीय आर्थिक माहौल और सिकुड़ते निर्यात बाजारों का सामना करना पड़ता है। बांग्लादेश को इन सबके साथ-साथ और भी बहुत कुछ झेलना पड़ा है। वस्त्र उद्योग बांग्लादेश का गौरव है, लेकिन कारखाने पहले से ही अंतरराष्ट्रीय खरीदारों के ऑर्डर में मंदी, तैयार माल की कम कीमतों, वैश्विक स्तर पर कच्चे माल की ऊंची कीमतों और लगातार बिजली कटौती के कारण जूझ रहे हैं।

महंगी प्राकृतिक गैस की कमी के कारण 2026 तक बिजली कटौती का खतरा मंडरा रहा है, जिससे निमार्ताओं को नुकसान हो रहा है। इसका बुरा प्रभाव हो सकता है। बांग्लादेश का विदेशी मुद्रा भंडार गिरकर 17 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया है, क्योंकि इसका केंद्रीय बैंक मुद्रा का बचाव करने में नाकाम रहा है, जो अब डॉलर के मुकाबले लगभग 110 टका है। मौजूदा विदेशी मुद्रा भंडार से लगभग तीन महीने के आयात बिल का भुगतान किया जा सकता है। ऐसे में, कौन उनकी मदद कर सकता है? जाहिर है, पहले भी भारत ने ही 4.5 अरब डॉलर का अनुदान एवं ऋण देकर उसकी मदद की थी।

संस्थापक संपादक: स्व. पारसनाथ तिवारी

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक रीता तिवारी द्वारा अजीमाबाद प्रिंटर, सेक्टर-4 बहादुरपुर, पीओ-बीएच कॉलोनी, अगमकुंआ, पटना-26 से मुद्रित व पंत भवन, पं जवाहरलाल नेहरू मार्ग, पटना-1 पोस्ट बॉक्स नं. 212 जी.पी.ओ., पटना-1 दूरभाष- 9905463571, 8757425017, धनबाद

कार्यालय: मास्टर पाड़ा जे.सी. मल्लिक रोड, हीरापुर, धनबाद दूरभाष- 2204991, दिल्ली कार्यालय: बी-49, जैन मंदिर गली, शकरपुर मेन मार्केट, दिल्ली-110092, फोन नं.- 011-22055208, आर.एन.आई नं. 44420/87

ईमेल: amritvarshanews2015@gmail.com

भाजपा: वैचारिक विश्व में एक चमकता नक्षत्र

विमर्श या नैरेटिव के नाम पर भारत में एक अघोषित युद्ध चला हुआ है। इन दिनों भारत में चल रहा यह विमर्श शुद्ध राजनैतिक है। राजनीति और कुछ नहीं समाज का एक संक्षिप्त प्रतिबिंब ही है। विमर्श में यह प्रतिबिंब विषय व समयानुसार कुछ छोटा या बड़ा होता रह सकता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विचार परिवार के राजनैतिक दल भारतीय जनता पार्टी की राजनीति को यदि हम सामाजिक प्रतिबिंब के रूप में देखें तो हमें वैचारिक प्रतिबंधों, वर्जनाओं और सीमाओं से मुक्ति मिल जाती है। वैचारिक दृष्टि से देखें तो भाजपा एकमात्र ऐसा भारतीय राजनैतिक दल है जो विदेशी वैचारिक दासता से मुक्त है। भाजपा का विचार वही है जो भारत का चिरंतन विचार रहा है। भाजपा अपने चिर परिचित हिन्दुवशील आग्रहों पर अंगद, अटल है। नवीन व पुरातन का अभिनव संगम हो गई है भाजपा। वस्तुतः आरएसएस ने भाजपा के माध्यम से राजनीति एक विशाल, विराट व मुक्त वैचारिक कैनवास हमें दिया है। हम भारत के राजनैतिक, अराजनैतिक और यहां तक की हम भाजपा के लोग भी भाजपाई राजनीति को सही शब्दों में संपूर्णतः व्यक्त नहीं कर पाते हैं। यह अव्यक्तिकरण इसलिए नहीं है कि भाजपाई नेतृत्व के पास या भाजपा के आलोचकों के पास शब्दों या समझ का अभाव है। यह अव्यक्तिकरण इसलिए है कि भाजपा का सर्वसमावेशन, सर्वस्पर्शन और सर्वव्याप्तिकरण का लक्ष्य समाज में तीव्रता से आ रहे परिवर्तनों के साथ साथ त्वरा भाव से उर्वर, अद्यतन होकर अपडेशन के साथ सदैव व स्वमेव ही हमारे समक्ष प्रस्तुत हो जाता है। तेजी से बदलते समाज में एक तीव्र और तेज वैचारिक अपडेशन को अपनाना यही भाजपा का देश भर में सत्तासीन होने का अंतर्तत्व है। यह तो निर्विवाद रूप से सभी मानते हैं कि पिछले तीन दशकों में विशेषतः पिछले दशक का भारत सौ वर्षों के परिवर्तनों को समेटे हुए है। भाजपा का वैचारिक तंत्र इस तीव्र, तेज, तीक्ष्ण सामाजिक परिवर्तन को सौम्यता से प्रकट करने का सबसे बड़ा भारतीय संस्थागत ढांचा बन गया है। यहां सौम्य शब्द का प्रयोग इसलिए है क्योंकि इस तेज युग के तीव्र सामाजिक परिवर्तनों के समय में सौम्य बने रहना तनिक कठिन और कष्टप्रद होता है किंतु भाजपा की सौम्यता है की जाती ही नहीं। भाजपा को यह सौम्यता संघ से मिलती है। संघ से इस सौम्यता को ग्रहण कर लेने की मशीन है पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का एकात्म मानववाद का सिद्धांत। एकात्म मानववाद का सिद्धांत भाजपा की रीढ़ है। भाजपा अपनी रीढ़ की रक्षा

> **मोटी दृष्टि से देखें तो भारत में राजनीति की चार धाराएं हैं। भाजपा, कांग्रेस, वामपंथ और समाजवाद। भाजपा स्वयं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ परिवार से उपजी एक राजनैतिक धारा है। इसने अपने कोई डमी या छद्म रूप उत्पन्न नहीं किए। शेष तीन राजनैतिक विचार अपने डमी उत्पन्न करके छल करते रहते हैं**

करना और रीढ़ पर टिके रहना दोनों भलीभांति सीख गई है। यही भाजपा नामक वटवृक्ष का फोटो सिंथेसिस प्रोसेस अर्थात प्रकाश संश्लेषण की प्रक्रिया है।

मोटी दृष्टि से देखें तो भारत में राजनीति की चार धाराएं हैं। भाजपा, कांग्रेस, वामपंथ और समाजवाद। भाजपा स्वयं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ परिवार से उपजी एक राजनैतिक धारा है। इसने अपने कोई डमी या छद्म रूप उत्पन्न नहीं किए। शेष तीन राजनैतिक विचार अपने डमी उत्पन्न करके छल करते रहते हैं। जैसे कांग्रेस से तृणमूल कांग्रेस या राष्ट्रवादी कांग्रेस। कांग्रेस, वामपंथ व समाजवाद ने सकारात्मक विमर्श तो कम उपजाए किंतु नकारात्मक विमर्शों में ये लोग मास्टर ऑफ द मास्टर्स हो गए हैं। भाजपा के बड़े स्तर पर सत्तासीन हो जाने से लोग बहुधा एक बात कहते हैं; अरे, अब यह ह्लपार्टी विद डिफरेंसह्ल नहीं रही। विरोधी दल स्वानंद के लिए यह कह लें किंतु भाजपा आज भी ह्लपार्टी विद डिफरेंसह्ल ही है!! भाजपा में अनेक दलों से करोड़ो कार्यकर्ता आकर सम्मिलित हुए हैं, लाखों पदाधिकारी आए, हजारो सांसद विधायक आये; किंतु क्या भाजपा ने क्या मंदिर को छोड़ा? कश्मीर को छोड़ा?

सामान नागरिक संहिता को छोड़ा? तुष्टिकरण के विरुद्ध अभियान को छोड़ा? हिंदुत्व के आग्रह को छोड़ा? आप पिछले एक दो दशक में सभी भारतीय दलों दलों द्वारा विकसित किये गए विमर्शों को जांचे तो पता चलेगा की वैचारिक दृष्टि से शेष दल सुविधाभोगी हो गए हैं किंतु भाजपा ने अपना वैचारिक आग्रह नहीं छोड़ा। भाजपा ने दूसरे दलों से कार्यकर्ता, पदाधिकारी, विधायक, सांसद अपने दल में लिए अवश्य किंतु आने वाले व्यक्ति और उनके विचार बदले हैं भाजपा का वैचारिक आग्रह नहीं बदला है। भाजपा आज भी अपने संघी ध्रुव पर, एकात्म मानववाद पर, अन्त्योदय पर, राममंदिर पर, समान नागरिक संहिता पर और ऐसे अनेक विषयों पर अंगद और अटलभाव से खड़ी हुई है। वहीं दूसरी ओर सत्ता प्राप्ति को बैचेन भाजपा से इतर के दल आजकल अपना वैचारिक आधार बनाना ही नहीं चाहते हैं। वो कभी इस डाल पर तो कभी उस डाल पर बैठते हैं। वो विचार बदलते हैं, परिवार बदलते हैं, आधार बदलते हैं और नौ सौ चूहे खाकर कभी हज को तो कभी हरिद्वार को जाने का प्रपंच करते हैं। कांग्रेस कम्युनिस्ट होकर कटुक, बिटूक गई है। कम्युनिस्ट लोग इस्लामिस्ट होने का ढोंग रच रहे हैं। साम्यवादी समाजवादी तो पता नहीं क्या क्या प्रपंच कर रहे हैं। सबसे बड़ी बात सत्तासीन होने के लिए ये लोग भारतीयता को छोड़ने में अव्वल सदा रहते हैं। ह्लभारतीयता को छोड़नाह्ल इस एक बड़े शब्द का प्रयोग यहां किया है, किंतु आपके समक्ष कांग्रेस जनित आपातकाल और तुष्टिकरण के बाद के कालखंड के कुछ सामाजिक संदर्भ रख रहा हूं, थमार्मीटर लगाकर चैक करें कि इन संदर्भों में भाजपा से इतर वाले राजनैतिक दलों ने कितनी तेजी से सत्ता के लिए अपनी केंचुली बदली है। जनजातीय को हिंदुओं से अलग बताना, जैन और लिंगायत जैसे कुछ अन्य समुदायों को अलग धर्म या अल्पसंख्यक कराना, शाहबानों प्रकरण में न्यायालय के निर्णय को बदलना, एक देश दो विधान, आर्य अनार्य का वितंडा उपजाना, राममंदिर को संघ भाजपा का कार्यालय बताना, अयोध्या निर्माण में बाधाएं उत्पन्न करना, रामेश्वर रामसेतु के विध्वंस हेतु मशीनों का बेड़ा भेजना, श्रीराम को काल्पनिक बताना, ऐन दीवाली की रात्रि को पूज्य शंकराचार्य की गिरफ्तारी, देश में कोविड वेक्सिन को भाजपा की वेक्सिन कहकर विरोध करना, विदेशों में वेक्सिन डिप्लोमेसी का विरोध करना, नक्सलवाद, खालिस्तान, बोडो, माओइज्म, अनुच्छेद 370 हटाने का विरोध करना, पंडित विहीन कश्मीर, दक्षिण राज्यों में हिंदी विरोध के आधार पर राजनीति, भाषायी विभाजन, भीम मीम गठजोड़, मंडल-कमंडल, पूर्वोत्तर राज्यों में अलगाव, गुरमेहर कौर विवाद, चीन के साथ भारत के विवाद या संघर्ष में चीन की ओर झुकाव बताना जैसे कई कई मुद्दे हैं। ये और इन जैसे अनेक अन्य मुद्दों पर भारत के तथाकथित बुद्धिजीवी व प्रगतिशील राजनीतिक तत्वों ने सदैव ही राष्ट्र की मूलभावना के विपरीत आचरण प्रस्तुत किया है। भारत की परिवार परम्परा और विवाह परम्परा के विरुद्ध इनके षड़यंत्र आए दिन नए नए रूप में देश के प्रत्येक भाग में उभरते रहते हैं। सीआरपीएफ के 75 सैनिकों के नक्सलियों से संघर्ष करते हुए बलिदान होने पर उत्सव मनाने जैसी घटनाएं ये लोग आए दिन करते रहते हैं। इन सब प्रपंचों को करने के बाद यदि ये विभिन्न राजनैतिक दल जब सत्ताप्राप्ति के लिए एक होने का जब प्रयास करते हैं तो बड़ा हास्य उत्पन्न होता है। सांप-नेवला, कुत्ता-बिल्ली-चूहे की जोड़ी बना ली जाती है और समाज से समर्थन मांगा जाता है। समाज सोचता है किसे देखकर इन्हें समर्थन दें? कुत्ते को देखकर समर्थन दें तो वह बिल्ली को खा जाएगा बिल्ली को दें तो वह चूहे को खा जाएगी चूहे को दें तो वह देश को ही कुतर जाएगा। प्रश्न बड़ा है शेष फिर कभी...

शनि प्रदोष व्रत से प्राप्त होती है सुख-समृद्धि

आज शनि प्रदोष व्रत है, इस दिन भगवान शिव तथा शनि देवता की पूजा होती है। इससे देवता प्रसन्न होते हैं तो आइए हम आपको शनि प्रदोष व्रत की पूजा विधि तथा महत्व के बताते हैं। जानें शनि प्रदोष व्रत के बारे में : इस साल का पहला शनि प्रदोष व्रत अप्रैल मास में आने वाला है। हर महीने में दो बार त्रयोदशी तिथि आती है त्रयोदशी को प्रदोष व्रत रखा जाता है। प्रदोष व्रत हर महीने की त्रयोदशी तिथि को रखा जाता है। अप्रैल माह का पहला प्रदोष व्रत शनिवार 6 अप्रैल को कृष्ण पक्ष का प्रदोष व्रत रखा जाएगा। यह इस साल का पहला शनि प्रदोष व्रत है। इस दिन प्रदोष काल में भगवान शिव की उपासना करने का विशेष महत्व है।

शनि प्रदोष व्रत का शुभ मुहूर्तः शनिवार 6 अप्रैल को सुबह 10 बजकर 20 मिनट पर त्रयोदशी तिथि का आरंभ होगा। इसके बाद 7 अप्रैल 2024 को सुबह 6 बजकर 54 मिनट पर तिथि समाप्त होगी। हालांकि, प्रदोष व्रत में शाम के समय त्रयोदशी तिथि रहने पर पूजा करने का विशेष महत्व है। इसलिए शनि प्रदोष व्रत 6 अप्रैल को रखा जाएगा। शनि प्रदोष व्रत 6 अप्रैल को पूजा के लिए शाम में 6 बजकर 41 मिनट से 7 बजकर 4 मिनट तक का समय उत्तम है। शनि प्रदोष व्रत पर ऐसे करें पूजा : पंडितों के अनुसार शनिवार के दिन सूर्यास्त से एक घंटे पहले, स्नान आदि करके पूजा के लिए तैयार हो जाएं। स्नान के बाद संध्या के समय शुभ मुहूर्त में पूजन करने आरंभ करें। सबसे पहले गाय के कच्चे दूध, दही, घी, शहद और गंगाजल आदि से भगवान शिव का आभिषेक करें। इसके बाद भगवान शिव को बंलपत्र पर चंदन लगाकर अर्पित करें। साथ ही पुष्प, धतूरा, आंख के फूल आदि भी भगवान शिव को अर्पित करें। इसके बाद शनि प्रदोष व्रत कथा का पाठ करें और अंत में भगवान शिव की आरती उतारें।

शनि प्रदोष व्रत का महत्वः पुराणों के अनुसार शनिवार के दिन प्रदोष व्रत होने से भगवान शिव के साथ शनि महाराज भी प्रसन्न होते हैं। शनि प्रदोष व्रत करने से मनुष्य को सुख समृद्धि की प्राप्ति होती है। इस व्रत को करने से व्यक्ति के सभी कष्ट दूर होते हैं साथ ही व्यक्ति अंत में सुखों को भोगकर मोक्ष को प्राप्त होता है। शनि प्रदोष व्रत रखने से भगवान शिव की कृपा प्राप्त होती है। यह व्रत पापों का नाश करता है और

> **शनि प्रदोष व्रत का महत्वः पुराणों के अनुसार शनिवार के दिन प्रदोष व्रत होने से भगवान शिव के साथ शनि महाराज भी प्रसन्न होते हैं। शनि प्रदोष व्रत करने से मनुष्य को सुख समृद्धि की प्राप्ति होती है। इस व्रत को करने से व्यक्ति के सभी कष्ट दूर होते हैं साथ ही व्यक्ति अंत में सुखों को भोगकर मोक्ष को प्राप्त होता है**

जीवन में सुख-शांति और समृद्धि लाता है। प्रदोष व्रत से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। शाम को सूर्य अस्त के पश्चात तथा रात होने से पहले प्रदोष काल माना जाता है। पंडितों के अनुसार प्रदोष काल में शंकर भगवान साक्षात शिवलिंग में प्रकट होते हैं। इसीलिए प्रदोष काल में शिव जी आराधना का विशेष महत्व होता है। प्रदोष व्रत करने से चंद्रमा के दोषों से छुटाकारा मिलता है। चंद्र दोष दूर होने से मानसिक शांति मिलती है तथा जीवन सुखमय व्यतीत होता है। शनि प्रदोष पर शंकर जी की पूजा के साथ शनि देव की पूजा होती है। शनि प्रदोष व्रत करने तथा शिव की पूजा करने से सभी प्रकार के अशुभ ग्रहों से छुटाकारा मिलता है। इसके अलावा शरीर रोगमुक्त होता है और ऊर्जा तथा शक्ति अनुभव होता है। शनिवार के दिन प्रदोष व्रत होने पर शाम को हनुमान चालीसा पढ़ना विशेष फलदायी होता है।

दिन के अनुसार मिलता है प्रदोष व्रत का फलः प्रदोष का व्रत दिन के अनुसार निर्धारित होता है। सोम प्रदोष व्रत से अभीष्ट कामनाएं पूरी, मंगल प्रदोष व्रत से रोग मुक्ति और शुक्र प्रदोष व्रत से सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है। लेकिन इन सभी व्रतों में शनि प्रदोष व्रत महत्वपूर्ण होता है। इस व्रत से संतान सुख में आने वाली बाधाएं दूर हो जाती हैं। शनि प्रदोष होता है विशेष : शनि प्रदोष सभी प्रकार के प्रदोष व्रत में सबसे खास होता है। शनि प्रदोष व्रत के द्वारा शनि व्रत से जुड़ी परेशानियों को दूर हो जाती है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार संतान प्राप्ति की कामना हेतु व्रत करने वाले भक्त् को शनि प्रदोष की कथा सुननी चाहिए। शनि प्रदोष व्रत करने से सभी प्रकार के सुख प्राप्त होते हैं।

शनि प्रदोष व्रत की पौराणिक कथाः पुराणों के अनुसार बहुत समय पहले एक प्राचीन नगर में एक सेठ-सेठानी रहते थे। दोनों बहुत धर्मात्मा थे। वह हमेशा लोगों की मदद करते और उन्हें सुखी रखने का प्रयास करते थे। लेकिन सबके सुखों का ध्यान रखने के बावजूद सेठ दम्पत्ति निःसंतान होने के कारण बहुत दुखी रहते थे। एक बार दोनों पति-पत्नी तीर्थयात्रा पर जा रहे थे। रास्ते में पेड़ के नीचे एक महात्मा तपस्या में लीन थे। दोनों पति-पत्नी महात्मा के सामने हाथ जोड़कर लेकिन वह तपस्या में लीन रहे। रात भी हो गयी लेकिन वह संत तपस्या में लीन रहे। लेकिन पति-पत्नी धैर्यपूर्वक खड़े रहे। अगली सुबह जब संत अपनी तपस्या से उठे तो उन्होंने पति-पत्नी से कहा कि वह उनकी परेशानी जान गए हैं। उन्होंने दम्पत्ति को शनि प्रदोष व्रत करने को कहा। शनि प्रदोष व्रत के प्रभाव से उन्हें बहुत जल्द ही पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। इस प्रकार शनि प्रदोष व्रत के प्रभाव से दम्पत्ति के कष्ट दूर हुए।

शनि प्रदोष के दिन ऐसे करें पूजाः हमारे हिन्दू धर्म में शनि प्रदोष का बहुत महत्व है। शनि प्रदोष व्रत बहुत लाभकारी होता है इसलिए शनि प्रदोष पर विशेष पूजा करें। प्रातः उठकर सबसे पहले स्नान कर साफ कपड़े पहने। उसके बाद सच्चे मन से शिव जी तथा हनुमान जी की आराधना करें। उसके बाद भगवान हनुमान को लड्डू और बूंदी चढ़ाएं। साथ ही प्रसाद भी अकेले न खाकर सभी लोगों में बांट कर खाएं। शनि प्रदोष व्रत होता है लाभकारी : पंडितों के अनुसार ऐसा माना जाता है कि शनि प्रदोष व्रत करने से संतान प्राप्ति में आने वाली बाधा खत्म होती है। शनि प्रदोष के दिन शनि तथा भगवान शिव की एकसाथ पूजा करने से शुभ फल मिलता है। शनि प्रदोष तथा पुष्य नक्षत्र के योग में शनि देवता की पूजा करने के बाद ब्राह्मणों को तेल का दान करने से शनि दोष कम हो सकता है।

वीटो नहीं मिला तो यूएन 2.0 बना लेगा भारत

तुर्की-नेपाल जैसे देशों में आए भूकंप पीड़ितों की मदद का मामला रहा हो या फिर कोरोना की वैक्सीन दुनिया में कई देशों को देने की बात रही हो। या फिर जीरो हंगर का मुद्दा रहा हो। भारत ने जिस तरह से हर परिस्थिति में आगे रहने का साहस दिखाया है, उसका यूएन भी कायल हो चुका है। इसी सिलसिले में बड़ी खबर ये है कि संयुक्त राष्ट्र में भारत का स्थायी मिशन न्यूयॉर्क स्थित अपने मुख्यालय में सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल टू के अनुरूप जीरो हंगर का लक्ष्य हासिल करने की दिशा में भारत के महत्वपूर्ण योगदान पर एक इवेंट किया जाएगा।

इसमें पीएम मोदी द्वारा साझा किया गया एक संदेश पढ़ा जाएगा। रूस यूक्रेन युद्ध से लेकर इजरायल हमास युद्ध तक भारत पीड़ितों को मानवीय सहायता पहुंचाता रहा है। कई बार आपने ये सुना होगा कि पिछले कई सालों से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सीट को लेकर भारत अपनी दावेदारी जताता आया है। आपने ये भी जानते होंगे की यूएनएससी के पांच स्थायी सदस्य रूस, चीन, फ्रांस, अमेरिका और ब्रिटेन में से चार देश हमेशा भारत को स्थायी सदस्यता देने के लिए राजी हो जाते हैं। लेकिन चीन हर बार ये सीट नहीं मिलने देता है। वैसे पूरा सच ये भी है कि भारत का पुराना दोस्त रूस और मोदी के मित्र मैक्रों के देश फ्रांस ही है जो भारत की दावेदारी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर मजबूती से खड़ा रहता है। लेकिन ब्रिटेन और अमेरिका की बैक डोर कोशिश उतनी मजबूत नहीं होती है। लेकिन सात दशक पहले बने इस सगंठन अब नई चुनौतियों के बीच नए रिफॉर्म को लेकर भी चर्चा होती रहती है। विदेश मंत्री एस जयशंकर के बयान के बाद वीटो पावर को लेकर बहुत बहस छिड़ी है। कई देशों ने ये तो कह दिया कि भारत को वीटो पावर मिलना चाहिए। एस जयशंकर ने क्या कहाः गुजरात के सूरत में विदेश मंत्री (ईएएम) एस जयशंकर ने कहा कि 'भारत को इस बार संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सीट मिलेगी, लेकिन हमें कड़ी मेहनत करनी होगी।' स्पष्ट रूप से उन्होंने इस मामले में दृढ़ संकल्प व्यक्त किया और यह स्वीकार करने के लिए पर्याप्त व्यावहारिक थे कि और अधिक करने की आवश्यकता है, संभवतः इसका मतलब यह है कि भारत को पी-5 पर और भी अधिक काम करने की जरूरत है, जैसा कि वे अभी हैं, और महासभा (जीए) के साथ काम करना है। अगर बात उस तक पहुंच गई। मंत्री जयशंकर के पश्चिम को चिढ़ाने के आक्रामक तरीके यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद के महीनों और वर्षों में अधिक बार दिखाई दे रहे हैं। जिस सूक्ष्म और सौम्य राजनयिक के रूप में वह जाने जाते थे, वह वैश्विक मंच पर नए भारत की आवाज बनकर उभरे हैं, जहां भारत की सुप्रसिद्ध शांतिवादी आवाज, जिसे कई बार दूसरों द्वारा कमजोरी समझ लिया जाता है, एक वैश्विक राजनेता के रूप में विकसित हुई है। वीटो पॉवर क्या होता हैः वीटो एक लैटिन भाषा का शब्द है, जिसका मतलब है कि मैं अनुमति नहीं देता। या किसी काम के लिए निषेध करना। यदि किसी देश के पास वीटो है तो वो किसी भी प्रस्ताव के विरोध में अपनी सहमति न रखते हुए वोट कर सकता है। ये एक हिसाब से उस देश का पावर होता है जिसका इस्तेमाल करने वो अपना विरोध वोट डाल कर प्रकट कर सकता है। जैसा की आप जानते हैं कि सुरक्षा परिषद के कुल सदस्य देशों की संख्या 15 है, जिसमें से पांच देश इसके स्थायी और बाकी 10 अस्थायी सदस्य हैं। जिनका कार्यकाल 2 साल का रहता है। किसी देश को वीटो पावर मिलना कितना जरूरी हैः किसी देश को वीटो पावर मिलेगी या नहीं ये दो प्रकार से तय होता है। वीटो पावर देने या नहीं देने का फैसला सदस्य देश करते हैं। यूएनएससी में 15 देश हैं और वीटो पावर को लेकर कितने देश ने उसके पक्ष में वोट किया है ये इस पर निर्भर करता है। वोट पावर के लिए 9 मेंबर्स की अनुमति चाहिए होती है। जिसके लिए वोटिंग हो रही है उसके लिए 10 वोट चाहिए होती है। पांच परमानेंट मेबर के वोट चाहिए होते हैं। किसी देश को वीटो पावर के लिए 2/3 देशों के सकारात्मक वोट के साथ उस देश के पास अधिक धन संपदा होनी चाहिए। ताकी वो कई देशों की सुरक्षा में अपनी सहभागिता दे सके। पी-5 ने सुरक्षा परिषद पर कर लिया कब्जाः सूरत में स्थानीय बुद्धिजीवियों के साथ अपनी बातचीत के दौरान, विदेश मंत्री ने यह भी संकेत दिया कि कैसे पी-5 ने सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) पर कब्जा कर लिया है, जिसे दुनिया भर में 'सुपर-गवर्नमेंट' के रूप में देखा और स्वीकार किया जाता है। जैसा कि उन्होंने बताया पी-5 सदस्यों ने खुद को चुना और खुद को संरक्षक के रूप में नियुक्त किया, हालांकि दुनिया के अभिभावक देवदूत नहीं हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि वे कई अलग-अलग तरीकों से कई मामलों में विभाजित नजर आए। चाहे वो क्षेत्रीय और वैश्विक राजनीति में उनके रुख और प्राथमिकताओं ने पहले यूएनएससी और उनके प्रतिस्पर्धी प्रचार, अभियान, वित्त पोषण और सदस्य-राष्ट्रों को हथियारबंद करने के कारण बड़े यूएनजीए को विभाजित किया था। भी, शीत युद्ध के दौर में विभाजन रेखाएँ स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही थीं। अमेरिका कर रहा भारत के साथ खेलः दशकों से भारत, जापान, जर्मनी और ब्राजील यूएनएससी में स्थायी सदस्यता के लिए अपने-अपने मामले पेश करने के लिए एक साथ आए हैं। यहां भी क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व में विकृति है, क्योंकि लैटिन अमेरिका से कम से कम एक, पश्चिम एशिया से एक (इजराइल नहीं) और अफ्रीका से दो को क्रम में रखा जाएगा। क्या वर्तमान समूह वैश्विक आवाज का विस्तार करके इतना ही कर सकता है? संयोग से जैसा कि मंत्री जयशंकर ने उल्लेख किया है, मिस्र ने संयुक्त राष्ट्र में प्रस्तावों का एक नया सेट पेश करने के लिए जापान और जर्मनी के साथ सहयोग किया है।

क्या प्रेग्नेंसी में वॉक करने से बढ़ता है मिसकैरेज का खतरा

प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाओं को कई बातों का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी जाती है। महिलाओं को अच्छी डाइट फॉलो करने की सलाह दी जाती है, जिससे कि गर्भ में पलने वाले बच्चे का अच्छे से विकास हो सके। इसके अलावा रेगुलर एक्सरसाइज करने की सलाह दी जाती है। जिससे कि डिलीवरी के दौरान किसी भी इमरजेंसी की स्थिति से बचा जा सके। हांलाकि कुछ लोगों का मानना होता है कि प्रेग्नेंसी के शुरूआती दिनों में वॉक या एक्सरसाइज करने से बचना चाहिए। क्योंकि इससे मिसकैरेज का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में इस बात में कितनी सच्चाई है, आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इस बारे में जानकारी देने जा रहे हैं।

कई अध्ययनों में इस बात की पुष्टि की जा चुकी है कि प्रेग्नेंसी के शुरूआती दिनों में महिला को करीब 30 मिनट की एक्सरसाइज जरूर करनी चाहिए। यह बिलकुल सेफ होता है। बता दें कि प्रेग्नेंसी में एक्सरसाइज करने से मिसकैरेज, प्री-मैच्योर डिलीवरी या एब्नॉर्मल प्रेग्नेंसी का खतरा नहीं बढ़ता है। इसके उलट रोजाना एक्सरसाइज करने से लेबर पेन में कमी आती है। रोजाना एक्सरसाइज करने से नॉर्मल डिलीवरी की संभावना बढ़ने के साथ लाइफस्टाइल भी हेल्दी रहती है। इससे गर्भ में पलने वाले बच्चे का विकास भी अच्छे से होता है। जहां तक गर्भावस्था के शुरूआती दिनों में मॉर्निंग वॉक करने की बात है, तो यह बिलकुल सुरक्षित माना जाता है। प्रेग्नेंसी के शुरूआती दिनों में महिलाएं न सिर्फ मॉर्निंग वॉक बल्कि रनिंग भी कर सकती हैं। हांलाकि इस दौरान कुछ विशेष तरह की एक्सरसाइज करने से बचना चाहिए। क्योंकि इससे मिसकैरेज या डिलीवरी की कॉम्पलीकेशन बढ़ सकता है।

हैवी वेट लिफ्टिंगः हांलाकि यह एक अच्छी एक्सरसाइज है और इससे महिलाओं के स्वास्थ्य में सुधार होता है। लेकिन प्रेग्नेंट महिलाओं को हैवी वेट लिफ्टिंग एक्सरसाइज को नहीं करना चाहिए। क्योंकि जैसे-जैसे प्रेग्नेंसी के दिन बढ़ते हैं, महिलाओं का वेट भी बढ़ता है। ऐसे में इस एक्सरसाइज के दौरान आपके लिए बैलेंस करना मुश्किल हो सकता है और गिरने के अधिक चांसेज होते हैं। स्कूबा डाइविंगः गर्भवती महिलाओं को भूलकर भी स्कूबा डाइविंग नहीं करनी चाहिए। क्योंकि स्कूबा डाइविंग गहरे पानी में किया जाता है और अधिक गहरे पानी में शरीर पर प्रेशर बढ़ता है। जो प्रेग्नेंट महिलाओं के लिए सही नहीं होता है। रॉक क्लाइंबिंगः प्रेग्नेंसी के दौरान रॉक क्लाइंबिंग करना सुरक्षित नहीं माना जाता है। क्योंकि इस तरह की एक्टिविटी में गिरने का रिस्क अधिक रहता है। वॉक करने के फायदेः गर्भावस्था की किसी भी तिमाही में वॉक किया जा सकता है। इस दौरान वॉक करने से प्रेग्नेंट महिला को हेल्दी वजन बढ़ाने में मदद मिलती है।

विदेश/व्यापार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अमेरिका में भारतीय छात्रों की मौत के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं और अब ओहायो राज्य में एक भारतीय छात्र की मौत हो गयी है तथा पुलिस मामले की जांच कर रही है। न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूत ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''ओहायो के क्लीवलैंड में भारतीय छात्र उमा सत्य साई की दुर्भाग्यपूर्ण मौत से काफी दुखी हूं।'' दूतावास ने कहा कि पुलिस मामले की जांच कर रही है और वह भारत में परिवार के साथ संपर्क में है।

अपडेट न्यूज

न्यूयॉर्क सिटी इलाके में भूकंप के झटके, इमारतें हिलीं

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अमेरिका के घनी आबादी वाले न्यूयॉर्क सिटी महानगर क्षेत्र में शुक्रवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। इस बीच, भूकंप के कारण संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की एक बैठक में थोड़ी देर के लिए व्यवधान पैदा हुआ। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण ने बताया कि भूकंप सुबह 10 बजकर 23 मिनट पर आया और भूकंप की प्रारंभिक तीव्रता 4.8 मापी गयी। भूकंप का केंद्र न्यूयॉर्क सिटी से 45 मील पश्चिम में न्यू जर्सी के व्हाइट हाउस स्टेशन के समीप था। एजेंसी के आंकड़ों से पता चलता है कि 4.2 करोड़ से अधिक लोगों से भूकंप के झटके महसूस किए होंगे। बाल्टीमोर से मैसाच्युसेट्स-न्यू हैम्पशायर के लोगों ने धरती हिलते हुए महसूस की। अभी कोई गंभीर नुकसान पहुंचने की खबर नहीं मिली है लेकिन अधिकारी पुल और अन्य प्रमुख बुनियादी ढांचों की जांच कर रहे हैं।

निवासियों ने बताया कि उन्होंने पूर्वी तट पर समुद्र में ऊंची लहरें उठती हुए देखी। न्यूयॉर्क सिटी के दमकल विभाग ने बताया कि भूकंप के झटके सुबह करीब साढ़े 10 बजे महसूस हुए और विभाग को इमारतों के हिलने की खबरें मिल रही हैं। उसने बताया कि अभी नुकसान की कोई खबर नहीं मिली है। मैनहट्टन, ब्रुकलिन, कैलिफोर्निया, बाल्टीमोर, फिलाडेल्फिया, कनेक्टिकट और पूर्वी तट के अन्य इलाकों में निवासियों ने भूकंप के झटके महसूस किए। न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होचुल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया कि पूरे राज्य में भूकंप के झटके महसूस किए गए। होचुल ने कहा, ''मेरी टीम भूकंप के असर और उससे संभावित नुकसान का आकलन कर रही है तथा हम बाद में जनता को इसकी जानकारी देंगे।'' संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में पश्चिम एशिया की स्थिति पर चर्चा हो रही थी और कमरे में बैठे राजनयिकों के भूकंप के झटके महसूस करने के बाद इसमें थोड़ी देर के लिए व्यवधान आया। अमेरिका के पश्चिम तट के मुकाबले पूर्वी तट पर भूकंप बहुत कम आते हैं क्योंकि यह पूर्वी तट 'टेक्टोनिक प्लेट' की सीमा पर स्थित नहीं है।

आम लोगों की थाली हुई और भी महंगी, अरहर, चना दालों की कीमतों में तेजी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। नई फसल शुरू हो गई है। इसके बाद भी अब दालों की कीमतों में जबरदस्त उछाल देखने को मिल रहा है। दाल की कीमतें लगातार बढ़ती जा रही है। बीते 15 दिनों में ही चना, अरहर समेत कई दालों की कीमत बढ़ गई है। आंकड़ों पर गौर करें तो 15 दिनों में दालों की कीमत 500 रुपये प्रति क्विंटल तक महंगी हुई है।

चने की दाल की कीमत 90 रुपये प्रति किलो और अरहर की दाल 175 रुपये प्रति किलो के दर से बिक रही है। व्यापारियों का कहना है कि नई फसल आने तो लगी है मगर फसल कमजोर भी है। ऐसे में मांग की तुलना में आवक काफी कम है, जिस कारण कीमतों में लगातार तेजी देखने को मिल रही है। थोक अनाज के बाजार में 15 दिन पहले चना दाल 7000-8000 रुपये प्रति क्विंटल बिक रही थी जो अब 7200 से 8400 रुपये प्रति क्विंटल पहुंच गई है। वहीं अरहर की दाल की कीमत 12500-15500 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़कर 13000-16000 रुपये प्रति क्विंटल पहुंची है। उड़द की दाल प्रति क्विंटल 11 हजार से 13 हजार तक बिक रही है। वहीं चावलों की कीमत में भी तेजी आई है। चावल की कीमत 4800-6000 रुपये प्रति क्विंटल हो गई है। दिसंबर के बाद से ही चावल की कीमत लगातार बढ़ती जा रही है। वहीं दालों की कीमत आने वाले दिनों में भी और बढ़ सकती है। मांग ज्यादा हो रही है, जिसका असर दाल और चावलों की कीमत पर पड़ रहा है।

दाल की कीमतों में आ रही तेजी को देखते हुए सरकार ने भी सख्त एक्शन लेने का फैसला किया है। सरकार ने दाल व्यापारियों के लिए दालों का स्टॉक की जानकारी साझा करना अनिवार्य कर सकती है। पीली मटर, अरहर, उड़द की दाल के स्टॉक का खुलासा करना होगा। ऐसा करने से भंडार की जानकारी सरकार के पास होगी। वहीं दालों की बढ़ती कीमतों पर लगाम लगाने के लिए सरकार जरुरी कदम भी उठा सकेगी।

ताइवान में भूकंप के तीन दिन बाद भी फंसे हैं 600 से अधिक लोग

ताइपे, (एजेंसी)। ताइवान में आए शक्तिशाली भूकंप के तीन दिन बाद शनिवार को भी 600 से अधिक लोग फंसे हुए हैं। ताइवान में बुधवार को आये भूकंप को बीते 25 वर्ष में आया सबसे शक्तिशाली भूकंप माना जा रहा है, जिससे कई इमारतें क्षतिग्रस्त हो गयीं और कई लोग दूर-दराज के इलाकों में फंस गये। इस भूकंप के कारण कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई। बचावकर्मी पत्थरों के नीचे दबे शाकाडांग मार्ग पर दो शवों को निकालने के लिए शनिवार को भारी उपकरण लाने की योजना बना रहे हैं। ऊबड़-खाबड़ पहाड़ी इलाके में स्थित तारोको राष्ट्रीय उद्यान में शाकाडांग मार्ग पर चार और लोग लापता हैं। भूकंप बाद के झटकों के कारण शुक्रवार दोपहर को बचाव कार्य रोक दिया गया था। ताइवान में बुधवार को आए भूकंप में कम से कम 12 लोगों की मौत हो जबकि 10 अन्य लोग लापता हैं। 'तारोको पार्क' के एक होटल में फंसे लगभग 450 लोगों सहित 600 से अधिक लोग उन विभिन्न स्थानों पर फंसे हुए हैं जो चट्टानों के खिसकने और अन्य क्षति के कारण अन्य जगहों से कट गए हैं।

ताइवान में इमारतों के निर्माण को लेकर कड़े मानकों का पालन किया जाता है और लोगों को भूकंप आने की स्थिति में स्वयं को बचाने के लिए उचित शिक्षा देने के लिए व्यापक मुहिम चलाई जाती हैं जिसकी वजह से इतने शक्तिशाली भूकंप के बावजूद अपेक्षाकृत कम संख्या में लोगों की मौत हुई।

बंधन बैंक के संस्थापक सीईओ चंद्रशेखर घोष ने दिया इस्तीफा

नयी दिल्ली, (एजेंसी)। पांच अप्रैल निजी क्षेत्र के बंधन बैंक के संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) चंद्रशेखर घोष ने इस्तीफा दे दिया है। बैंक ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि घोष नौ जुलाई, 2024 को अपना मौजूदा कार्यकाल पूरा होने पर बैंक के प्रबंध निदेशक (एमडी) एवं सीईओ के रूप में अपने दायित्व से मुक्त हो जाएंगे। घोष ने निदेशक मंडल को लिखे एक पत्र में कहा, ''लगभग एक दशक तक बैंक का नेतृत्व करने के बाद मुझे लगता है कि अब बंधन समूह स्तर पर एक बड़ी रणनीतिक भूमिका निभाने का समय आ गया है।'' उन्होंने कहा कि बैंक के इस दौरान एमडी एवं सीईओ के रूप में लगातार तीन कार्यकाल रहे हैं। लिहाजा मौजूदा कार्यकाल खत्म होने पर वह बंधन बैंक की सेवाओं से सेवानिवृत्त होने का फैसला कर रहे हैं। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने व्यापक बैंक स्थापित करने के लिए दो अप्रैल,2014 को बंधन बैंक और आईडीएफसी लिमिटेड को सैद्धांतिक मंजूरी दी थी। इसके बाद बंधन बैंक ने 23 अगस्त, 2015 को 24 राज्यों में 501 शाखाओं और 50 एटीएम के साथ कामकाज शुरू किया था। बंधन बैंक समूचे पूर्वी क्षेत्र का इकलौता सूक्ष्म-वित्त संस्थान है जो पूर्ण बैंक के रूप में कार्य करने का मौका दिया गया। यह वर्ष 2018 में शेयर बाजार में भी सूचीबद्ध हुआ था।

अमेरिकी सरकार एलियंस से संपर्क को छिपा रही है

पेंटागन की यूएफओ रिपोर्ट में क्या आया सामने

नई दिल्ली, (एजेंसी)। एलियंस शब्द सुनते ही हम कल्पना करने लग जाते हैं एक ऐसे जीव की जो मानव से ज्यादा विकसित है। पर हकीकत ये है कि एलियंस शब्द का सीधा सा मतलब एक ऐसा जीव जो पृथ्वी पर पैदा न हुआ हो। दुनिया में एलियंस और यूएफओ के बारे में लगातार चर्चा होती है। आपने इस पर फिल्में भी देखी होंगी और उड़नतस्तरियों से जुड़ी तमाम कहानियों से भी कई बार रूबरू हुए होंगे। कैसे एलियंस चुपके से इस धरती पर आते हैं और कुछ जगहों पर अपनी निशानी छोड़ जाते हैं।

क्या दुनिया में सच में एलियंस का अस्तित्व है? ये एक ऐसा सवाल है जिसने वैज्ञानिकों को सबसे ज्यादा परेशान किया है। करीब एक साल पहले लोगों ने आरोप लगाया था कि अमेरिकी सेना कुछ ऐसे कार्यक्रमों में जुटी हुई है, जिनका ध्यान एलियंस और उनके स्पेसशिप पर ही है। अब अमेरिका के रक्षा विभाग पेंटागन की यूएफओ (अनआइडेंटिफाइड फ्लाइंग ऑबजेक्ट) रिपोर्ट में इस तरह के पृथ्वी की बाहीर

वस्तुओं को लेकर बने किसी भी गुप्त सरकारी कार्यक्रमों को अफवाह करार दिया है।

पेंटागन की नई यूएफओ रिपोर्ट गुप्त-सरकार द्वारा चलाए जा रहे अतिरिक्त स्थलीय कार्यक्रमों की अफवाहों को संबोधित करती है लेकिन कई महत्वपूर्ण सवाल छोड़ देती है। अमेरिकी सेना पर विदेशी अंतरिक्ष यान पर केंद्रित गुप्त कार्यक्रम चलाने का आरोप लगाने वाली बेबुनियाद अटकलों और मुखबिरों के एक साल के बाद, अमेरिकी रक्षा विभाग ने घोषणा की कि उसे सरकार द्वारा एलियंस के साथ संपर्क को छुपाने का कोई सबूत नहीं मिला है।

अज्ञात विसंगतिपूर्ण घटना के साथ सरकार की भागीदारी पर 63 पेज की लंबी रिपोर्ट में, संयुक्त राज्य अमेरिका के रक्षा विभाग की यूएफओ अध्ययन शाखा, ऑल-डोमेन एनोमली रेजोल्यूशन ऑफिस (एएआरओ) ने कहा कि अध्ययन में: "कोई सबूत नहीं मिला कि कोई यूएसजी [अमेरिकी सरकार] जांच, अकादमिक-प्रायोजित अनुसंधान, या आधिकारिक समीक्षा पैनल ने पुष्टि की है कि यूएपी का कोई भी दृश्य अलौकिक तकनीक का प्रतिनिधित्व करता है। वर्गीकरण के सभी स्तरों पर सभी जांच प्रयासों से यह निष्कर्ष निकला कि अधिकांश दृश्य सामान्य वस्तुएं और घटनाएं थीं और गलत पहचान का परिणाम थीं। सरकारी यूएफओ कवर की इस जोरदार अस्वीकृति के बावजूद, रिपोर्ट और भी सवाल उठाती है जो भविष्य में तकनीकी और वैज्ञानिक रूप से अभूतपूर्व साबित हो सकते हैं। रिपोर्ट में गवाहों और व्हिसलब्लोअर के दावों के बावजूद एएआरओ जांचकताओं का विवरण दिया गया है और उन्हें विशेष पहुंच कार्यक्रमों और वर्गीकृत डिब्बों में वापस खोजा गया है।

रिपोर्ट ने निष्कर्ष निकाला कि इनमें से कई कार्यक्रम प्रामाणिक, वर्तमान और पूर्व संवेदनशील, राष्ट्रीय सुरक्षा कार्यक्रमों का प्रतिनिधित्व करते हैं, लेकिन इनमें से कोई भी कार्यक्रम ऑफ-वर्ल्ड तकनीक या सामग्री को कैप्चर करने, पुनर्प्राप्त करने या रिवर्स-इंजीनियरिंग में शामिल नहीं है।

नवरात्रि से पहले सोने की कीमत में आई गिरावट, चांदी भी लुढ़की

नई दिल्ली, (एजेंसी)। चैत्र नवरात्रि से पहले सराफा बाजार में अच्छी खबर आई है। सोने के दाम जो लगातार आसमान छू रहे थे उसमें अब कमी देखने को मिल रही है। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में सोने की कीमत में कमी देखने को मिली है।

वाराणसी में जैसे ही सराफा बाजार छह अप्रैल को खुला, वैसे ही 22 कैरेट सोने की कीमत में 450 रुपए की गिरावट देखने को मिली। इसके अलावा चांदी की कीमत में भी 300 रुपए प्रति किलो की गिरावट आ गई है। अब चांदी की कीमत 81700 रुपए हो गई है। वाराणसी की सराफा बाजार में 6 अप्रैल को 22 काह 10 ग्राम सोने का भाव 64300 रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले 5 अप्रैल को सोने की कीमत 64750 रुपए थी वही चार अप्रैल को इसका भाव 64250 रुपए था।

3 अप्रैल को सोने की कीमत 63500 रुपए थी वही 2 अप्रैल को इसकी कीमत 63750 रुपए और 1 अप्रैल को इसकी कीमत 62900 रुपए थी। 24 कैरेट सोने में 500 रुपए की गिरावट देखने को मिली है। 24 कैरेट सोना टूटकर 70150 रुपए पर पहुंच गया है जबकि 5 अप्रैल को उसकी कीमत 70650 रुपए थी। चांदी की कीमतों में भी 300 रुपए प्रति किलो की कमी आई है। सराफा बजाने चांदी की कीमत 81700 रुपए हो गई है। जुकी 5 अप्रैल को उसकी कीमत 82000 रुपए थी।

लाओस में गैरकानूनी काम में फंसाए गए 17 भारतीय लौट रहे स्वदेश: विदेश मंत्री जयशंकर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को कहा कि लाओस में धोखे से गैरकानूनी काम में फंसाए गए 17 भारतीय कामगारों को स्वदेश वापस लाया जा रहा है। विदेश मंत्री ने इस मामले में मदद के लिए लाओस में भारतीय दूतावास की सराहना की। जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''मोदी की गारंटी सभी के लिए देश-विदेश में हर कहीं काम करती है। लाओस में धोखे में रखकर गैरकानूनी और खतरनाक काम में फंसाए गए 17 भारतीय कामगार स्वदेश लौट रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''लाओस में भारतीय दूतावास ने अच्छा काम किया। सुरक्षित वापसी में मदद के लिए लाओस के अधिकारियों का धन्यवाद।''

विदेश मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को भारतीय नागरिकों को कंबोडिया में आकर्षक नौकरी के अवसरों का वादा करने वाले मानव तस्करों का शिकार बनने के प्रति आगाह किया था। मंत्रालय ने एक परामर्श जारी कर दक्षिण-पूर्व एशियाई देश में नौकरी के अवसर तलाश रहे भारतीयों से भावी नियोक्ता की पृष्ठभूमि की अच्छी तरह से जांच करने का आह्वान किया था। परामर्श में कहा गया था, ''ऐसा पता चला है कि कंबोडिया में आकर्षक नौकरी के अवसरों के फर्जी वादों से आकर्षित होकर भारतीय नागरिक मानव तस्करों के जाल में फंस रहे हैं।

मालदीव ने आवश्यक वस्तुओं के निर्यात की अनुमति देने के लिए भारत का आभार जताया

माले, (एजेंसी)। भारत के मालदीव को आवश्यक वस्तुओं के निर्यात की अनुमति देने पर मालदीव के विदेश मंत्री मूसा जमीर ने शनिवार को आभार जताया। उन्होंने कहा कि यह फैसला दीर्घकालिक द्विपक्षीय मित्रता और व्यापार एवं वाणिज्य को बढ़ाने की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। भारत ने शुक्रवार को चालू वित्त वर्ष के दौरान मालदीव को अंडे, आलू, प्याज, चावल, गेहूं का आटा, चीनी और दाल जैसी कुछ वस्तुओं की निर्दिष्ट मात्रा के निर्यात पर प्रतिबंध हटा दिया था। भारतीय उच्चायुक्त ने शुक्रवार को यहां कहा कि मालदीव सरकार के आग्रह पर भारत ने 2024-25 के लिए जरूरी वस्तुओं की निर्दिष्ट मात्रा में निर्यात की अनुमति दी है। भारतीय दूतावास ने एक अधिसूचना में कहा कि साल 1981 में इस व्यवस्था के लागू होने के बाद से निर्यात के लिए स्वीकृत मात्रा सबसे अधिक हैं। जमीर ने इस कदम के लिए सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर भारत को धन्यवाद किया। मालदीव के विदेश मंत्री ने लिखा, ''मैं वर्ष 2024 और 2025 के दौरान मालदीव को भारत से आवश्यक वस्तुओं का आयात करने में सक्षम बनाने के लिए कोटा के नवीनीकरण के लिए विदेश मंत्री एस जयशंकर और भारत सरकार को तहे दिल से धन्यवाद देता हूं।'' उन्होंने लिखा, ''यह वास्तव में एक संकेत है, जो हमारे दोनों देशों के बीच दीर्घकालिक मित्रता और द्विपक्षीय व्यापार एवं वाणिज्य को और अधिक बढ़ाने की मजबूत प्रतिबद्धता का प्रतीक है।'' विदेश मंत्री एस जयशंकर ने जमीर की पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भारत अपने पड़ोसियों को सर्वाधिक महत्व देने लिए प्रतिबद्ध है।

कनाड़ा की खुफिया एजेंसी ने लगाया नया आरोप

भारत बोला- लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में हस्तक्षेप करना हमारी नीति नहीं

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत ने कनाडा के आम चुनावों में अपने हस्तक्षेप के आरोपों को "निराधार" कहकर दृढ़ता से खारिज कर दिया है और ओटावा पर पलटवार करते हुए कहा है कि इसके बजाय, वह नई दिल्ली के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप कर रहा है। भारत की कड़ी प्रतिक्रिया शुक्रवार को एक कनाडाई मीडिया रिपोर्ट के बाद आई जिसमें दावा किया गया कि भारत और पाकिस्तान ने कनाडा में 2019 और 2021 के संघीय चुनावों में हस्तक्षेप करने का प्रयास किया, देश की जासूसी एजेंसी, कनाडाई सुरक्षा खुफिया सेवा (सीएसआईएस) ने आरोप लगाया। यह पिछले साल खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या पर दोनों देशों के बीच चल रहे राजनयिक विवाद के बीच भी आया। देश की मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, विदेशी हस्तक्षेप की जांच के लिए कनाडा का संघीय आयोग 2019 और 2021 में भारत द्वारा चुनाव में हस्तक्षेप के

दावों की जांच कर रहा है। रिपोर्टों पर प्रतिक्रिया देते हुए, विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा कि हमने कनाडाई आयोग की जांच के बारे में मीडिया रिपोर्टें देखी हैं। हम कनाडाई चुनावों में भारतीय हस्तक्षेप के ऐसे सभी आधारहीन आरोपों को दृढ़ता से खारिज करते हैं।

उन्होंने कहा कि दूसरे देशों की लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में हस्तक्षेप करना भारत सरकार की नीति नहीं है। वास्तव में इसके विपरीत, यह कनाडा है जो हमारे आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप कर रहा है। कैनेडियन ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन (सीबीसी) ने बताया कि 2019 और 2021 के चुनावों में भारत, चीन, रूस और अन्य देशों द्वारा "संभावित हस्तक्षेप" की जांच कर रहे संघीय जांच आयोग के हिस्से के रूप में सीएसआईएस द्वारा चुनावी हस्तक्षेप का आरोप लगाने वाले अवर्गीकृत दस्तावेज पेश किए गए थे।

जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी, अन्य से 5,000 करोड़ रुपये जुटाए

नयी दिल्ली, (एजेंसी)। जेएसडब्ल्यू एनर्जी लिमिटेड ने अपनी वृद्धि योजनाओं में तेजी लाने के लिए अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी (एडीआईए) सहित संस्थागत निवेशकों को शेयर बेचकर 5,000 करोड़ रुपये जुटाए हैं।

कंपनी ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि इसने अपना 5,000 करोड़ रुपये का पात्र संस्थागत प्लेसमेंट (क्यूआईपी) सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने कहा कि क्यूआईपी से प्राप्त आय इसकी पूंजी संरचना को और मजबूत करेगी, वित्तीय मजबूती को बढ़ाएगी और कंपनी को अपनी महत्वाकांक्षी वृद्धि योजनाओं में तेजी लाने में सक्षम बनाएगी। कंपनी ने कहा, इस निर्गम में प्रमुख वैश्विक दीर्घकालिक निवेशकों, घरेलू म्यूचुअल फंड और बीमा कंपनियों ने बहुत गहरी दिलचस्पी दिखाई। क्यूआईपी में 3.2 गुना से अधिक अभिदान देखा गया। जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने कहा, साल 2010 में सूचीबद्ध होने के बाद कंपनी ने पहली बार शेयर बिक्री से धन जुटाया है।

इजरायल पर बड़े हमले की तैयारी में ईरान

अमेरिका को सीधा संदेश- बीच में मत आना, चपेट में आ जाओगे

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अमेरिका हाई अलर्ट पर है और ईरान द्वारा एक महत्वपूर्ण हमले की तैयारी कर रहा है, जो अगले हफ्ते क्षेत्र में इजरायली या अमेरिकी संपत्तियों को निशाना बना सकता है। प्रत्याशित हमला सीरिया में ईरानी दूतावास पर इजराइल के हमले के जवाब में होगा जिसमें उसके शीर्ष कमांडरों में से एक की मौत हो गई थी। अधिकारी ने सीएनएन को बताया कि वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों और उनके इजरायली समकक्षों का मानना है कि ईरान द्वारा हमला अपरिहार्य है। अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार तक दोनों सरकारों को यह नहीं पता था कि ईरान ने कब और कैसे जवाबी हमला करने की योजना बनाई। सीरिया की राजधानी में ईरानी राजनयिक परिसर पर हवाई हमले में एक शीर्ष ईरानी कुद्स फोर्स कमांडर, जनरल मोहम्मद रजा जाहेदी की मौत हो गई। 2020 में अमेरिकी ड्रोन हमले में कुद्स फोर्स के कमांडर मेजर जनरल कासिम सुलेमानी की हत्या के बाद

से यह सबसे हाई-प्रोफाइल हत्या थी। एनबीसी न्यूज की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन के प्रशासन के दो अधिकारियों ने इजरायल के अंदर ईरानी प्रतिशोध के खिलाफ चिंता व्यक्त की है और कहा है कि लक्ष्य मुख्य रूप से नागरिकों के बजाय सैन्य और खुफिया लक्ष्यों पर केंद्रित होंगे। अधिकारियों ने यह भी कहा कि प्रशासन ने ईरान के किसी भी जवाबी हमले का जवाब देने के विकल्पों पर विचार करना शुरू कर दिया है, उन्होंने कहा कि वह ड्रोन या जमीन पर हमला करने वाली क्रूज मिसाइलों का उपयोग करके हमला कर सकता है। अमेरिका को एक सख्त संदेश में ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी के एक शीर्ष सहयोगी ने वाशिंगटन से अपने देश और इजराइल के बीच लड़ाई में शामिल नहीं होने के लिए कहा। एक्स पर एक पोस्ट में, राष्ट्रपति रायसी के डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ, मोहम्मद जमशीदी ने कहा कि एक लिखित संदेश में इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ने अमेरिकी नेतृत्व को अमेरिका के लिए नेतन्याहू के जाल में न फंसने की चेतावनी दी है।

अबकी बार बॉर्डर पार, घर में घुसकर वार

पाकिस्तान में मोदी ने कौन सा ऑपरेशन चला दिया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अमेरिका, इजरायल और दुनिया के दूसरे ताकवर मुल्कों को अपनी संप्रभुता की रक्षा के लिए सीमाएं लांघने की इजाजत है। आतंकियों को पाताल से भी निकालकर मारने की इजाजत है। तो भारत क्यों न ऐसा करे और तब उसकी तारीफ क्यों न हो? अगर किसी ने भारत के राज्य और उसके नागरिकों के खिलाफ किसी भी किस्म की युद्ध और हिंसा की गतिविधि को अंजाम दिया है तो वो किसी भी मुल्क में छिपकर रहे। उसे एक भी सांस चैन की लेने का हक नहीं है। हालांकि एक नागरिक के तौर पर तो हम और आप ऐसा सोच और बोल सकते हैं। लेकिन सराकारों का काम शब्दों के मामले में काफी संतुलित होता है। जैसा की विदेश मंत्री एस जयशंकर पहले ही कह चुके हैं कि टारगेटेड किलिंग करना भारत की पॉलिसी नहीं है। हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आतंकवाद पर सीधा निशाना साधते हुए कहा कि ये नया

भारत है घर में घुसकर मारता है। 4 अप्रैल को ब्रिटेन की मीडिया हाउस गार्डियन ने एक रिपोर्ट पब्लिश की जिसका शीर्षक था- Indian government ordered killings in Pakistan यानी खुफिया अधिकारियों का दावा कि भारत सरकार ने पाकिस्तान में हत्याएं करवाईं। रिपोर्ट में लिखा है कि भारत की खुफिया एजेंसियां सुनियोजित तरीके से अलग-अलग देशों खासकर पाकिस्तान में आतंकवादियों को घुसकर मार रही है। रिपोर्ट के अनुसार, कुछ पाकिस्तानी जांचकताओं द्वारा साझा किए गए दस्तावेजों से संकेत मिलता है कि भारत की खुफिया एजेंसी, रॉ (रिसर्च एंड एनालिसिस विंग) ने कथित तौर पर जम्मू में 2019 पुलवामा आतंकी हमले के बाद राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक साहसी दृष्टिकोण के तहत विदेशी धरती पर 20 ऐसी लक्षित हत्याएं कीं। और कश्मीर, जिसमें 40 भारतीय सैनिक मारे गए। बाद में पाकिस्तान स्थित आतंकवादी समूह जैश-ए-मोहम्मद ने हमले की जिम्मेदारी ली। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2023 में लक्षित हत्याओं में काफी वृद्धि हुई है, पाकिस्तान के खुफिया सूत्रों ने भारत पर लगभग 15 लोगों की संदिग्ध मौतों में शामिल होने का आरोप लगाया है, जिनमें से अधिकांश को अज्ञात बंदूकधारियों ने करीब से गोली मार दी थी। पाकिस्तान द्वारा आतंकवाद को प्रायोजित करने, कथित तौर पर भारत द्वारा घोषित आतंकवादियों को पनाह देने और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर पर उसके अवैध कब्जे के कारण पिछले कई वर्षों से पाकिस्तान और भारत के बीच संबंध खराब हो रहे हैं।

यूक्रेन के खारकीव शहर पर रूसी मिसाइल हमलों में छह लोगों की मौत, 11 घायल

कीव, (एजेंसी)। रूस की सेना द्वारा यूक्रेन पर शुक्रवार रात किए गए ड्रोन और मिसाइल हमलों के कारण खारकीव में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और 11 लोग घायल हो गए। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। खारकीव क्षेत्र के गवर्नर ओलेह सिनीहुबोव ने बताया कि शहर पर मिसाइल हमलों के कारण आवासीय इमारतें, एक गैस स्टेशन, एक बालवाड़ी, एक कैफे, एक दुकान और कई कारें क्षतिग्रस्त हो गईं। वायुसेना कमांडर के अनुसार, रूस ने रात भर में यूक्रेन पर कुल मिलाकर ईरानी निर्मित 32 शहीद ड्रोन और छह मिसाइलें दागीं। लेफ्टिनेंट जनरल मायकोला ओलेशचुक ने एक बयान में कहा कि यूक्रेनी वायु रक्षा बलों ने तीन क्रूज मिसाइल और 28 ड्रोन को मार गिराया। उन्होंने कहा, ''रूसी हत्यारे यूक्रेनियों को आतंकित करना और खारकीव एवं अन्य शांतिपूर्ण शहरों पर हमला करना जारी रखे हुए हैं।''

देश

नई दिल्ली, (एजेंसी)। निर्वाचन आयोग का नोटिस मिलने के एक दिन बाद दिल्ली की मंत्री आतिशी ने शनिवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से कहा कि वह इस बात का खुलासा करे कि उसने कथित धनशोधन के मामलों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं के खिलाफ क्या कार्रवाई की है। आम आदमी पार्टी (आप) की वरिष्ठ नेता ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए निर्वाचन आयोग पर भाजपा के इशारे पर काम करने का आरोप लगाया।

अपडेट न्यूज

दो अलग-अलग सड़क हादसों में चार लोगों की मौत, 15 घायल

भुवनेश्वर, (एजेंसी)। ओडिशा में दो अलग-अलग सड़क हादसों में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और 15 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि शनिवार सुबह गंजम जिले के सोमपुर चौराहे पर एक पिकअप के पलट जाने से डंडा नाता (लोक कला) समूह के दो सदस्यों की मौत हो गई और 15 अन्य घायल हो गए। हादसे में घायल हुए व्यक्तियों को हिंजिली अस्पताल ले जाया गया। बाद में उनमें से सात की हालत बिगड़ने पर उन्हें बरहामपुर के एमकेसीजी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। अस्पताल सूत्रों ने बताया कि गंभीर रूप से घायल तीन लोगों के सिर में चोट लगी है। डंडा नाता कलाकार एक कार्यक्रम करने के बाद दो पिकअप वैन में दहीमुंडली गांव से खेती बरहामपुर लौट रहे थे। एक अन्य हादसे में जाजपुर जिले के बरुहान चौराहे के पास एक सड़क दुर्घटना में पिता-पुत्र की मौत हो गई। मृतकों की पहचान जिले के सिमुलुआ गांव निवासी सैंदा जेना (60) और उनके बेटे मुना जेना (27) के रूप में की गई है। वे मोटरसाइकिल से एक रिश्तेदार के यहां से अपने घर वापस आ रहे थे। शुक्रवार रात करीब नौ बजे एक ट्रक ने उनके वाहन को टक्कर मार दी। पिता की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बेटे ने जाजपुर जिला अस्पताल में दम तोड़ दिया।

आरएसएस के सर्वेक्षण के अनुसार लोकसभा चुनाव में भाजपा 200 सीट भी नहीं जीत पाएगी : प्रियंक खरगे

बेंगलुरु, (एजेंसी)। कर्नाटक सरकार में मंत्री प्रियंक खरगे ने शनिवार को दावा किया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के एक आंतरिक सर्वेक्षण के अनुसार, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) लोकसभा चुनाव में 200 सीट भी नहीं जीत पाएगी। खरगे ने सूखा राहत मांगने के लिए केंद्र को प्रस्ताव सौंपने में राज्य सरकार की ओर से देरी किये जाने से जुड़े बयान को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर ''झूठ बोलने'' का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि शाह को ''गलत सूचना मंत्री होना चाहिए था।'' कांग्रेस नेता ने दावा किया, ''राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के आंतरिक सर्वेक्षण के अनुसार पार्टी (भाजपा) को इस बार 200 सीट भी नहीं मिलेगी। संघ यह कह रहा है। राज्य में, वे आठ सीट के आंकड़े को भी पार नहीं कर पाएंगे। वे कैसे जीतेंगे, जब (भाजपा में) 14-15 सीट पर आंतरिक लड़ाई है।'' उन्होंने कहा, ''वे (भाजपा के कुछ नेता) कह रहे हैं कि भाजपा (राज्य में) एक परिवार के कारण प्रदूषित है। वे कह रहे हैं कि वे भाजपा के मूल स्वरूप को फिर से कायम करना चाहते हैं। क्या हम (कांग्रेस) ऐसा कह रहे हैं। नहीं, वे (भाजपा के नेता) ऐसा बोल रहे हैं। वे यह भी दावा कर रहे हैं कि भाजपा में बसनगौड़ा पाटिल यतनाल, सी टी रवि, अनंतकुमार हेगड़े, ईश्वरप्पा जैसे हिंदुत्ववादी नेताओं के साथ अन्याय हो रहा है। वे आपस में लड़ रहे हैं, और कांग्रेस ने यह स्थिति पैदा नहीं की है।''

भाजपा का लक्ष्य आगामी लोकसभा चुनाव में देश में 370 सीट जीतने का है जबकि पार्टी का दावा है कि देश में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) 400 सीट जीतेगी। प्रदेश में भाजपा का लक्ष्य लोकसभा की सभी 28 सीट जीतने का है। खरगे ने शाह पर कर्नाटक को सूखा राहत के विषय में झूठ बोलने का आरोप लगाते हुए कहा कि उन्हें 'गलत सूचना मंत्री' होना चाहिए था। उन्होंने कहा, ''क्या (राहत की मांग करते हुए) मुख्यमंत्री की प्रधानमंत्री, केंद्रीय गृह मंत्री और वित्त मंत्री के साथ बैठक झूठ है? क्या आईएमसीटी (अंतर-मंत्रालयी केंद्रीय टीम) का यहां आना और सर्वेक्षण करना तथा रिपोर्ट प्रस्तुत करना झूठ है? क्या उसके बाद राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा बैठक करना और लिखित रूप से कर्नाटक के सूखा प्रबंधन प्रयासों की प्रशंसा करना झूठ है? यह क्या है, अमित शाह इतना झूठ क्यों बोल रहे हैं।

केरल में प्रवासी मजदूर की हत्या के मामले में 10 लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केरल के मुवत्तुपुझा में संदिग्ध भीड़ द्वारा पीट-पीटकर हत्या के एक मामले में दस लोगों को गिरफ्तार किया गया है। दो दिन पहले यहां एक प्रवासी मजदूर की कथित तौर पर पीट-पीट कर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान अरुणाचल प्रदेश के रहने वाले 24 वर्षीय अशोक दास के रूप में हुई है। दास नौकरी की तलाश में केरल आया था और कुछ समय से पास के मुवत्तुपुझा के वलाकम में किराए के घर में रह रहा था। प्राथमिकी के अनुसार जब अशोक दास बृहस्पतिवार को उसी इलाके में रहने वाली अपनी महिला मित्र से मिलने गया, तो उस दौरान उसे स्थानीय लोगों ने खंभे से बांध दिया और उससे पूछताछ की। बाद में अशोक दास को स्थानीय अस्पताल ले जाया गया।

प्राथमिकी में कहा गया है कि फिर दास को कोलेनचेरी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भेज दिया गया जहां उपचार के दौरान शुक्रवार को उसकी मौत हो गयी। सूत्रों ने बताया कि मृत व्यक्ति के साथ स्थानीय लोगों ने बेरहमी से मारपीट की, जिससे उसकी मौत हो गई। इस सिलसिले में 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है और भारतीय दंड संहिता की धारा 174 (लोक सेवक के आदेश का पालन न करना) के तहत मामला दर्ज किया गया था। एक अधिकारी ने पीटीआई-को बताया, प्रारंभिक जांच के बाद मामले में अतिरिक्त धाराएं जोड़ी गईं।

मणिपुर को लेकर कांग्रेस ने कहा, सत्ता में आने पर एनडीए सरकार को हटा देंगे, पांच गारंटी भी दी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस ने कहा कि अगर वह लोकसभा चुनाव के बाद सत्ता में आती है, तो वह मणिपुर सरकार को हटा देगी और राजनीतिक और प्रशासनिक समाधान के लिए एक सुलह आयोग भी नियुक्त करेगी जो राज्य के सभी लोगों के लिए संतोषजनक होगा। आगामी संसदीय चुनावों के लिए अपने घोषणापत्र में, कांग्रेस ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार की कठोर उपेक्षा के कारण मणिपुर में स्थिति बद से बदतर हो गई है। विपक्षी दल ने कहा कि वह पूर्वोत्तर राज्य में मौजूदा सरकार को तुरंत हटा देगी और समुदायों के बीच घावों को भर देगी। मणिपुर में पिछले साल मई से सांप्रदायिक झड़पें हो रही हैं। इसमें कहा गया है कि हम राज्य के सभी लोगों के लिए संतोषजनक राजनीतिक और प्रशासनिक समाधान लाने के लिए एक सुलह आयोग नियुक्त करेंगे। हम मणिपुर में संघर्ष के पीड़ितों और बचे लोगों के लिए उचित मुआवजा और निवारण सुनिश्चित करेंगे। कांग्रेस ने कहा कि 2013-14 में हुई प्रारंभिक सहमति के आधार पर नागा समूहों के साथ अंतिम समाधान और समझौता किया जाएगा। वहीं, पाँच गारंटियाँ जिन्हें कांग्रेस पार्टी मणिपुर के लोगों के कल्याण के लिए लागू करने का वचन देती है। इन गारंटियों में शांति की बहाली शामिल है; विस्थापित व्यक्ति (मुआवजा और पुनर्वास) विधेयक को पेश करना; राज्य बलों के भीतर ग्राम स्वयंसेवकों के लिए रोजगार के अवसर सुनिश्चित करने के लिए कानून; संकट के कारण शारीरिक रूप से विकलांग लोगों के लिए एक समर्पित नौकरी कोटा; और हिंसक घटनाओं के दौरान संपत्ति के नुकसान का मूल्यांकन करने के लिए एक जांच आयोग का गठन।

ठाकरे कार्ड, मराठी वोटों का गणित और हिंदुत्व की पिच...महाराष्ट्र की सियासत में राज ठाकरे का 'लाउड' अंदाज एनडीए के लिए साबित हो सकता है गेम चेंजर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। बीजेपी के नेतृत्व वाला एनडीए राज ठाकरे के नेतृत्व वाले एमएनएस के साथ एनडीए गठबंधन में शामिल होने के लिए चर्चा इन दिनों महाराष्ट्र की सियासत का सबसे ट्रेंडिग टॉपिक है। मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि मनसे ने दो लोकसभा सीटें, शिरडी और मुंबई दक्षिण मांगी हैं। कुछ अन्य रिपोर्टों में कहा गया है कि एमएनएस लोकसभा चुनाव नहीं लड़ सकती है लेकिन 2 एमएलसी सीटों के बदले एनडीए का समर्थन कर सकती है। वजहें जो भी हो लेकिन इतना तो है कि मनसे ने महाराष्ट्र की राजनीति में हलचल पैदा कर दी। एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली एमएनएस के शिवसेना में विलय की भी अटकलें थीं, जिसमें राज ठाकरे चुनावी राजनीति से दूर पार्टी के प्रमुख प्रमुख थे और शिंदे विधानसभा में अग्रणी थे। ऐसा लग रहा था कि इसके बाद बातचीत ज्यादा आगे नहीं बढ़ पाई। लेकिन इस बात को लेकर अटकलें तेज थीं कि आखिर बीजेपी के नेतृत्व वाला एनडीए मनसे को क्यों इतनी तवज्जो दे रहा है। एमएनएस लगातार अपना रुख

बदल रही है, 2014 में मोदी समर्थक से लेकर 2019 में मोदी विरोधी और 2024 में फिर से हिंदुत्व समर्थक। चुनावी तौर पर एमएनएस मुंबई, ठाणे, नासिक और पुणे बेल्ट के शहरी इलाकों में सीमांत खिलाड़ी रही है।

2019 के विधानसभा चुनाव में, मनसे ने अकेले चुनाव लड़ा और कुल 2.25% वोट प्रतिशत के साथ लड़ी गई 101 सीटों में से केवल 1 सीट जीती।तो एनडीए द्वारा राज ठाकरे को "वोट कटुआ" विकल्प के रूप में इस्तेमाल करने के बजाय उन्हें लुभाने के पीछे क्या कारण हो सकता है क्योंकि वह पारंपरिक रूप से 2009 से काम कर रहे हैं। 2009 इस बात का एक अच्छा उदाहरण था कि कैसे मनसे ने एनडीए की जीत की संभावनाओं को नष्ट कर दिया। लेकिन राज्य में राजनीतिक गतिशीलता बहुत बदल गई है। मूल एनडीए और यूपीए अब चरित्र में बहुत भिन्न हैं। एनडीए और यूपीए (या एमवीए या इंडिया) दोनों में सेना और एनसीपी का एक गुट है, जिसमें एनडीए का सबसे बड़ा गुट है।

बीजेपी ने चुनाव आयोग को लिखा पत्र

एनआईए पर हमले को लेकर ममता सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भाजपा नेता शिशिर बाजोरिया ने कहा कि आज फिर से हमारे राज्य में सेंट्रल एजेंसी पर हमला हुआ, आज भूपतिनगर में एनआईए पर हमला हुआ और यह भी देखा गया कि पश्चिम पुलिस ने इस विषय पर कुछ भी नहीं किया। हमने राज्य चुनाव आयोग को पत्र लिख कर भूपतिनगर पुलिस प्रशासन पर कार्रवाई करने की मांग की है। भूपतिनगर में जांच के दौरान एनआईए अधिकारियों के सामने कुछ प्रदर्शनकारियों द्वारा प्रदर्शन करने को लेकर भाजपा नेता अग्निमित्रा पॉल ने कहा कि पश्चिम बंगाल के नागरिक होने के नाते हमें शर्मिंदगी हो रही है, कुछ दिन पहले हमने देखा था जब ईडी के

अधिकारी आए थे तब भी उनपर हमला हुआ था। आज एनआईए के ऊपर हमला हुआ। आज जो हुआ है उसकी ज़िम्मेदारी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को लेनी होगी।

भूपतिनगर में जांच के दौरान एनआईए अधिकारियों के सामने कुछ प्रदर्शनकारियों द्वारा प्रदर्शन करने को लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि उन्होंने आधी रात को छापा क्यों मारा? क्या उनके पास पुलिस की अनुमति थी? स्थानीय लोगों ने उसी तरह प्रतिक्रिया व्यक्त की जैसे आधी रात को कोई अन्य अजनबी उस जगह पर आता तो होता। वे चुनाव से ठीक पहले लोगों को क्यों गिरफ्तार कर रहे हैं? भाजपा क्या सोचती है कि वे हर बूथ एजेंट को गिरफ्तार कर लेंगे? एनआईए को क्या अधिकार है? ये सब भाजपा को समर्थन देने के लिए कर रहे हैं। हम भाजपा की इस गंदी राजनीति के खिलाफ लड़ने का आह्वान करते हैं।

बता दें कि पहले भूपतिनगर में धमाका हुआ था। जिसके आरोपों को पकड़ने के लिए एनआईए की टीम यहां पहुंची थी। लेकिन एनआईए की टीम को 100-150 लोगों ने घेर लिया और ईंट-पत्थरों से हमला कर दिया। एनआईए की टीम के गाड़ियों के शीशे टूटे हैं। आरोप है कि एनआईए की टीम की गाड़ियों पर ईंट से हमला किया गया और कांच तोड़े गए।

अप्रैल के मध्य में पश्चिमी यूपी में राहुल-अखिलेश करेंगे संयुक्त रैली

लखनऊ, (एजेंसी)। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अप्रैल के मध्य में इंडिया गठबंधन की पहली रैली होने जा रही है। इसकी तैयारी तेजी से चल रही है। अगले सप्ताह इसकी शुरूआत अमरोहा में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी व सपा प्रमुख अखिलेश यादव की संयुक्त सभा से की जाएगी। इसके लिए 12 से 16 अप्रैल के बीच की तिथि प्रस्तावित की गयी है। प्रदेश में पहले व दूसरे चरण में पश्चिमी उत्तर प्रदेश की 16 सीटों पर मतदान होना है।

इसमें कांग्रेस सहारनपुर, अमरोहा, बुलंदशहर, गाजियाबाद सीटों पर चुनाव लड़ रही है। इन सीटों पर प्रचार-प्रसार काफी जोरों पर है। इसे देखते हुए प्रदेश कांग्रेस की ओर से पार्टी के प्रमुख नेताओं व इंडिया गठबंधन की संयुक्त रैली का प्रस्ताव राष्ट्रीय नेतृत्व को भेजा गया है।

इसके तहत अमरोहा में राहुल गांधी व अखिलेश यादव की संयुक्त रैली कराने के साथ-साथ पहले दो चरण के लिए कई अन्य प्रमुख नेताओं की सभा का भी कार्यक्रम प्रस्तावित किया गया है। कांग्रेस वार रूम के संजय दीक्षित ने बताया कि इसी के साथ सहारनपुर में प्रियंका गांधी के रोड शो व राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, सचिन पायलट की सभाओं का कार्यक्रम मांगा गया है। उन्होंने बताया कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में सभा के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे व कुछ अन्य नेताओं के लिए भी कार्यक्रम भेजा गया है। एक-दो दिन में इनकी सभाओं के कार्यक्रम फाइनल होने शुरू हो जाएंगे।

स्मृति ईरानी ने लोकतंत्र की रक्षा के वादे को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा

चेन्नई, (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री ईरानी ने लोकतंत्र की रक्षा के वादे के लिए शनिवार को कांग्रेस पर निशाना साधा और सवाल किया कि प्रतिबंधित संगठन पीएफआई की राजनीतिक शाखा एसडीपीआई का समर्थन ''ले रही'' और ''संविधान जलाने के लिए प्रसिद्धह द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) के साथ गठबंधन करने वाली पार्टी ऐसा कैसे कर सकती है। मंत्री ने 19 अप्रैल को होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए उत्तरी चेन्नई से भाजपा के उम्मीदवार आरसी पॉल कनगराज के लिए प्रचार करते हुए कथित सनातन धर्म विरोधी टिप्पणियों को लेकर तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक के नेताओं की आलोचना की।

उन्होंने कहा, आज मैं एक ऐसे राज्य में खड़ी हूं जो अपनी आध्यात्मिक शक्ति के लिए प्रसिद्ध है...जो हमारी संस्कृति के लिए प्रसिद्ध है और यही कारण है कि जब द्रमुक नेता सनातन धर्म पर हमला करते हैं, जब द्रमुक नेता हिंदू धर्म को बदनाम करने की कोशिश करते हैं तो राष्ट्र क्रोधित हो जाता है, और आज जब वे भारत और भारतीयता के बारे में बात करते हैं तो वे देश के सामने बेनकाब हो जाते हैं।'' कांग्रेस पर निशाना साधते हुये ईरानी ने कहा, ''आज कांग्रेस पार्टी कहती है कि वह लोकतंत्र की रक्षा करना चाहती है। कांग्रेस पार्टी से मेरा सवाल कि आप द्रमुक के साथ लोकतंत्र की रक्षा कैसे करेंगे, जो बाबा साहेब आंबेडकर के संविधान को जलाने के लिए प्रसिद्ध है।''

उन्होंने 1980 के दशक के अंत में हिंदी विरोधी आंदोलन के दौरान कथित तौर पर द्रमुक द्वारा संविधान की प्रतियां जलाने की ओर इशारा करते हुए यह बात कही। ईरानी ने कहा, कांग्रेस आज केरल में चुनाव लड़ने के लिए प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन पीएफआई की राजनीतिक शाखा (एसडीपीआई) का समर्थन ले रही है। लोगों को सोचना चाहिए कि जो कांग्रेस पार्टी और 'इंडी' गठबंधन आतंकवादी संगठन की राजनीतिक शाखा का समर्थन ले रहे हैं, क्या वे इस देश में लोकतंत्र की रक्षा कर सकते हैं।

ग्रेटर नोएडा में व्यक्ति से 3.80 लाख रुपये की नकदी जब्त की गई

नोएडा, (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर आदर्श आचार संहिता लागू होने के मद्देनजर ग्रेटर नोएडा में जांच के दौरान एक व्यक्ति से तीन लाख 80 हजार रुपये बरामद किये गए। यह जानकारी अधिकारियों ने शनिवार को दी। अधिकारियों ने बताया कि थाना बादलपुर पुलिस ने एक व्यक्ति के पास से तीन लाख 80 हजार रुपये बरामद किये हैं। अधिकारियों ने बताया कि बरामद रकम के बारे में उक्त व्यक्ति संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया और पुलिस ने आयकर विभाग को सूचना दे दी है।

थाना बादलपुर के प्रभारी निरीक्षक अमरेश कुमार सिंह ने बताया कि लोकसभा चुनाव के मद्देनजर पुलिस आयुक्त के आदेश पर विशेष जांच अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान बादलपुर थाना पुलिस ने धूम मानिकपुर फ्लाईओवर के नीचे से एक कार को रोककर जांच की तो वाहन से 3.80 लाख रुपये मिले।

उन्होंने बताया कि कार मलिक बिलाल से जब रकम के बारे में बात की गई तो वह यह बताने में बिफल रहा कि वह रकम कहां से लेकर आ रहा है। उन्होंने बताया कि मामले की जानकारी आयकर विभाग को दे दी गई है।

इसलिए भाजपा ने पंजाब में अकाली दल को कर दिया बाय-बाय

हाई-प्रोफाइल लोगों को शामिल कराने की तैयारी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पंजाब उम्मीदवारों की दूसरी सूची में कम से कम एक सप्ताह की देरी हो गई है। पार्टी को और अधिक हाई-प्रोफाइल नेताओं के इसमें शामिल होने की उम्मीद है। भगवा पार्टी ने 30 मार्च को छह उम्मीदवारों की घोषणा की थी, जिसमें कांग्रेस से आए रवनीत सिंह बिट्टू को लुधियाना से और परनीत कौर को पटियाला से मैदान में उतारा था। भाजपा ने आप के एकमात्र लोकसभा सांसद सुशील कुमार रिंकू को भी जालंधर से मैदान में उतारा, जो 28 मार्च को पार्टी में शामिल हुए थे। इन तीनों के अलावा, भाजपा ने गुरदासपुर से दिनेश सिंह बब्बू, फरीदकोट से हंस राज हंस और अमृतसर की प्रमुख सीट से अमेरिका में भारत के पूर्व राजदूत तरणजीत सिंह संधू को मैदान में उतारा। शिरोमणि अकाली दल की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में वापसी की अटकलों को समाप्त करते हुए, भाजपा ने पंजाब में अकेले चुनाव लड़ने और सभी 13 लोकसभा सीटों पर लड़ने का फैसला किया है। इससे राज्य में चतुष्कोणीय लड़ाई की स्थिति

तैयार हो गई। 1996 के बाद यह पहली बार होगा कि बीजेपी और एसएडी, एनडीए के सबसे पुराने घटकों में से एक, जो 2020-21 के कृषि कानून विरोध पर अलग हो गए, राज्य में अकेले लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। पार्टी को राज्य की शेष सात सीटों के लिए उम्मीदवारों पर फैसला करना बाकी है, लेकिन पार्टी के अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, आम सहमति नहीं बन पा रही है।

पार्टी को अधिक हाई-प्रोफाइल लोगों के शामिल होने की उम्मीद के अलावा, राज्य में पार्टी के घरेलू चेहरों का दबाव भी बढ़ रहा है, जिन्हें पहली सूची में शामिल नहीं किया गया था। तीन दलबदलु हैं और हंस की सीट दिल्ली से बदलकर पंजाब कर दी गई है। तरनजीत एक नया सदस्य है, जबकि बब्बू पहली सूची में एकमात्र पुराना चेहरा है। राज्य में बची सात सीटों में से भगवा पार्टी मजबूत उम्मीदवारों की तलाश में जुटी है। 4 अप्रैल को, पंजाब के राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई जब यह खबर सामने आई कि पूर्व मंत्री और शिरोमणि अकाली दल के नेता सिकंदर मलूका की बहू परमपाल कौर ने समय से पहले सेवानिवृत्ति के लिए आवेदन किया है। इन अटकलों के बीच कि वह ऐसा करेंगी लोकसभा चुनाव के लिए बठिंडा निर्वाचन क्षेत्र के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पसंद बनें।

क्या मां सोनिया का 2004 का जादू दोहरा सकते हैं राहुल गांधी

बार-बार दिला रहे 'इंडिया शाइनिंग' की याद

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने विश्वास व्यक्त किया कि आगामी चुनाव मीडिया में जो दिखाया जा रहा है उससे कहीं अधिक प्रतिस्पर्धी है। वह कांग्रेस की संभावनाओं के बारे में आशावादी हैं, पूर्व प्रधान मंत्री वाजपेयी के कार्यकाल के दौरान 'इंडिया शाइनिंग' अभियान के दौरान चुनाव के अप्रत्याशित परिणामों की तुलना करते हैं। 'इंडिया शाइनिंग' का नारा, जिसे कभी वाजपेयी सरकार की पहचान माना जाता था, मतदाताओं को प्रभावित करने में विफल रहा, जिसके परिणामस्वरूप 2004 के आम चुनावों में भाजपा की हार हुई।

राहुल ने कहा कि हम एक उल्लेखनीय अभियान चलाने और विजयी होने के लिए तैयार हैं। मीडिया द्वारा बनाए गए उस माहौल को याद करना जरूरी है जब 'इंडिया शाइनिंग' का नारा था, और फिर भी, वह कांग्रेस थी जिसने जीत हासिल की। 2004 में कांग्रेस की जीत की सूत्रधार सोनिया गांधी की थीं। लेकिन क्या 2024 पार्टी के लिए इतना आसान होगा? यह न केवल नरेंद्र मोदी फैक्टर है, बल्कि यह धारणा भी बन

रही है कि कांग्रेस कमजोर हो रही है और कुछ लोग इसका कामकाज चला रहे हैं। बैठने की व्यवस्था और बातचीत का आदान-प्रदान कांग्रेस के भीतर उथल-पुथल का संकेत था। मंच पर स्पष्ट रूप से शक्ति का केंद्र था - कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और उनके साथ थे सोनिया गांधी, राहुल गांधी और केसी वेणुगोपाल। ये वे लोग हैं जो निर्णय लेते हैं और महत्वपूर्ण निर्णय लेते हैं। राहुल का 'संघर्ष' उस घोषणापत्र में झलकता है जो जाति जनगणना और काम करने के अधिकार की बात करता है। लेकिन इससे भी अधिक, एक वादा है कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार दलबदल के मामले में तत्काल अयोग्यता के लिए एक नया कानून लाएगी, जेल की तुलना में जमानत को मानक बनाएगी, चुनावी बांड की समीक्षा करेगी, एक स्वतंत्र न्यायपालिका के साथ-साथ ईडी और सीबीआई भी सुनिश्चित करेगी। ये तमाम वो मुद्दे हैं जिसको लेकर विपक्ष मोदी सरकार पर जबरदस्त तरीके से हमलावर रहता है। राहुल गांधी की यात्रा "भारत को आजाद कराने" के बारे में रही है। 2004 में, सोनिया गांधी की पिच वाजपेयी के 'शाइनिंग इंडिया' में छेद करने की थी। यह काम कर गया और 'कांग्रेस का हाथ आम आदमी के साथ' एक विजेता नारा था।

लेकिन तब कांग्रेस मजबूत थी। शक्तिशाली वाजपेयी से मुकाबला करने वाली एक महिला ने कल्पना और कथा पर कब्जा कर लिया। सहयोगी दल कांग्रेस से भयभीत थे। ये सब अब बदल गया है। कांग्रेस नेतृत्व कमजोर हुआ है। पार्टी के नेता साथ छोड़ रहे हैं। और सबसे बड़ी बाद सहयोगी दल भी आंख दिखा रहे हैं। राहुल और खड़गे ने जो नई पिच बनाई, उसमें बराबरी का कोई मैदान नहीं था। हालाँकि, कांग्रेस ईवीएम, चुनावी बांड और आयकर समस्याओं का हवाला देकर इन मुद्दों से अपने कैडर को उत्साहित करने में असमर्थ है। चुनाव कार्यकर्ताओं के कारण ही जीते और हारे जाते हैं। ये बात पीएम नरेंद्र मोदी अच्छे से जानते हैं। कार्यकर्ताओं के आत्मसंतुष्ट होने और 'निश्चित जीत' को लेकर आत्मसंतुष्ट होने की आशंका का सामना करते हुए, प्रधान मंत्री ने '400 पार' का लक्ष्य निर्धारित किया और कार्यकर्ताओं को बार-बार संबोधित किया।

कांग्रेस प्रथम परिवार के लाभ के लिए काम करती है इसलिए नेता छोड़ रहे हैं पार्टी: दिनेश शर्मा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के महाराष्ट्र चुनाव प्रभारी दिनेश शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि नेता कांग्रेस छोड़ रहे हैं क्योंकि पार्टी का एकमात्र उद्देश्य अपने प्रथम परिवार को लाभ पहुंचाना है। वर्धा में उत्तर प्रदेश के पूर्व उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि देश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का परिवार है और लोग उनके लिए भारी मतदान करेंगे क्योंकि आगामी लोकसभा चुनाव राष्ट्रवादियों और अवसरवादियों के बीच की लड़ाई है। शर्मा ने कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाद्रा, जिन्होंने कथित तौर पर लोकसभा के लिये टिकट मांगा, की ओर इशारा करते हुए कहा, प्रथम परिवार का कल्याण ही कांग्रेस का एकमात्र उद्देश्य है।

यही कारण है कि नेता कांग्रेस छोड़ रहे हैं। शर्मा ने दावा किया कि महाराष्ट्र में विपक्षी महा विकास आघाडी में सीट बंटवारे को लेकर खींचतान देखी जा रही है क्योंकि कांग्रेस, राकांपा (शरदचंद्र पवार) और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) ने व्यक्तिगत लाभ के लिए गठबंधन बनाया है। चंद्रपुर में शर्मा ने कहा कि विपक्ष प्रधानमंत्री पर व्यक्तिगत टिप्पणियां कर रहा है लेकिन वह देश की प्रगति सुनिश्चित करने के लिए दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं।